Test Date : 09 Jul 2022 **Test Slot :** Slot 1

Subject : Sanskrit traditional subjects (including) Jyotisha/Sidhanta Jyotish/ Navya Vyakarna/ Vyakarna/ Mimansa/ Navya Nyaya/ Sankhya Yoga/ Tulanatmaka Darsan/ Shukla Yajurveda/ Madhav Vedant/ Dharmasasta/ Sahitya/ Puranotihasa /Agama).

Sl. No.1
QBID:1501001

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी–रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ो (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य–वार वितरण :

राज्य	गरीबी–रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

What will be the number of females above poverty line in the state 'D', if it is known that the population of the state 'D' is 8 million?

(1) 3 million

(2) 2.83 million

(3) 2.63 million

(4) 2.43 million

राज्य – 'D' में गरीबी–रेखा से ऊपर महिलाओं की संख्या क्या होगी, यदि यह ज्ञात है कि राज्य 'D' की जनसंख्या 8 मिलियन है?

(1) 3 मिलियन

(2) 2.83 मिलियन

(3) 2.63 मिलियन

(4) 2.43 मिलियन

1[Option ID=10001]
2[Option ID=10002]

3[Option ID=10003]
4[Option ID=10004]

Sl. No.2
QBID:1501002

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ो (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the male population above poverty line for state 'C' is 1.9 million, then what is the total population of state 'C'?

(1) 6.25 million

(2) 5.35 million

(3) 4.85 million

(4) 4.5 million

यदि राज्य - 'सी' की गरीबी-रेखा से ऊपर पुरुषों की जनसंख्या 1.9 मिलियन है तो राज्य - 'सी' की कुल जनसंख्या कितनी है?

(1) 6.25 मिलियन

(2) 5.35 मिलियन

(3) 4.85 मिलियन

(4) 4.5 मिलियन

1[Option ID=10005]
2[Option ID=10006]
3[Option ID=10007]
4[Option ID=10008]

Sl. No.3
QBID:1501003

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ो (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

What will be the male population above poverty line for state 'A' if the female population below poverty line for state 'A' is 2.1 million?

(1) 2.3 million

(2) 3.3 million

(3) 4.4 million

(4) 6.6 million

राज्य - 'A' की गरीबी-रेखा से ऊपर पुरुषों की जनसंख्या क्या होगी, यदि राज्य 'A' की गरीबी-रेखा से नीचे महिलाओं की जनसंख्या 2.1 मिलियन है?

(1) 2.3 मिलियन

(2) 3.3 मिलियन

(3) 4.4 मिलियन

(4) 6.6 मिलियन

1[Option ID=10009]
2[Option ID=10010]
3[Option ID=10011]
4[Option ID=10012]

Sl. No.4
QBID:1501004

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ो (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the population of males below poverty line for state 'B' is 2.4 million and that for state 'E' is 6 million, the total population of states 'B' and 'E' is in the ratio of _____.

(1) 2 : 5

(2) 2 : 7

(3) 3 : 7

(4) 4 : 9

यदि राज्य - B की गरीबी-रेखा से नीचे पुरुषों की जनसंख्या 2.4 मिलियन और राज्य - 'E' की 6 मिलियन है तो राज्य 'B' और 'E' की कुल जनसंख्या किस अनुपात में होगी?

(1) 2 : 5

(2) 2 : 7

(3) 3 : 7

(4) 4 : 9

1[Option ID=10013]
2[Option ID=10014]
3[Option ID=10015]
4[Option ID=10016]

Sl. No.5
QBID:1501005

Consider the following table that embodies details about the percentage distribution of population of five states A-E on the basis of poverty line and gender. In accordance with the data in the table, answer the questions 1-5:

State-wise Distribution of Population

State	Percentage (%) of Population Below Poverty Line	Proportion of Males (M) and Females (F)	
		Below Poverty Line	Above Poverty Line
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

निम्नलिखित तालिका पर ध्यान दीजिए, जिसमें गरीबी-रेखा और जेन्डर (लिंग) के आधार पर A से E तक के पाँच राज्यों की जनसंख्या के प्रतिशत वितरण के बारे में विवरण दिया गया है। इस तालिका के आंकड़ो (डेटा) के अनुसार प्रश्न 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए:

जनसंख्या का राज्य-वार वितरण :

राज्य	गरीबी-रेखा के नीचे जनसंख्या का प्रतिशत (%)	पुरुषों (M) और महिलाओं (F) का अनुपात	
		गरीबी रेखा से नीचे	गरीबी रेखा से ऊपर
		M : F	M : F
A	35	5 : 6	6 : 7
B	25	3 : 5	4 : 5
C	24	1 : 2	2 : 3
D	19	3 : 2	5 : 3
E	15	5 : 3	3 : 2

If the total population of state 'C' and state 'D' is 5 million and 7 million, respectively, then what is the difference in the population below poverty line in these two states?

(1) 0.30 million

(2) 0.23 million

(3) 0.13 million

(4) 0.11 million

यदि राज्य - 'C' और राज्य - 'D' की कुल जनसंख्या क्रमशः 5 मिलियन और 7 मिलियन है, तो इन दोनों राज्यों में गरीबी-रेखा से नीचे की जनसंख्या में अंतर क्या है?

(1) 0.30 मिलियन

(2) 0.23 मिलियन

(3) 0.13 मिलियन

(4) 0.11 मिलियन

1[Option ID=10017]
2[Option ID=10018]
3[Option ID=10019]
4[Option ID=10020]

Sl. No.6
QBID:1501006

Which of the following are correct regarding the process of learning?

(A) Remembering the information and reproducing it in examination.

(B) Synthesis and organisation of the old and new experiences resulting in a novel pattern

(C) Carrying out activities which leave permanent effect on the learner.

(D) Learning means acquisition, retention and modification of experience.

(E) Preparing only for scoring good marks.

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (B) and (C) only

(2) (B), (C) and (D) only

(3) (C), (D) and (E) only

(4) (B), (C), (D) and (E) only

अधिगम की प्रक्रिया के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से सही हैं?

(A) सूचना को याद करना और उसे परीक्षा में पुनःप्रस्तुत करना

(B) पुराने और नये अनुभवों के संश्लेषण और संगठन के परिणाम स्वरूप अभिनव पैटर्न

(C) अधिगमकर्ता पर स्थायी प्रभाव छोड़ने वाले कार्य कलापों को आगे बढ़ाना

(D) अधिगम का आशय अनुभव का अधिग्रहण, प्रतिधारण और परिष्करण है

(E) केवल अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए तैयारी करना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B) और (C)

(2) केवल (B), (C) और (D)

(3) केवल (C), (D) और (E)

(4) केवल (B), (C), (D) और (E)

1[Option ID=10021]
2[Option ID=10022]
3[Option ID=10023]
4[Option ID=10024]

Sl. No.7
QBID:1501007

What is the full form of MOODLE, an open source Learning Management System (LMS)?

(1) Modular Object Oriented Digital Learning Environment

(2) Modular Object Oriented Dynamic Learning Environment

(3) MOOCs Oriented Digital Learning Environment

(4) Multiple Object Oriented Dynamic Learning Environment

मुक्त स्रोत अधिगम प्रबंधन प्रणाली (एल एम एस) मूडल (एम ओ ओ डी एल ई) का पूर्ण रूप क्या है?

(1) मॉड्यूलर ऑब्जक्ट ओरियन्टेड डिजिटल लर्निंग एन्वायरन्मेंट

(2) मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट ओरियन्टेड डाइनेमिक लर्निंग एन्वायरन्मेंट

(3) मूक्स ओरियन्टेड डिजिटल लर्निंग एन्वायरन्मेंट

(4) मल्टीपल ऑब्जेक्ट ओरियन्टेड डाइनेमिक लर्निंग एन्वायरन्मेंट

1[Option ID=10025]
2[Option ID=10026]
3[Option ID=10027]
4[Option ID=10028]

Sl. No.8
QBID:1501008

Given below are two statements :

Statement I : Assesment drives learning.

Statement II : No feedback is required to be given in formative assessments.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

(1) Both Statement I and Statement II are correct

(2) Both Statement I and Statement II are incorrect

(3) Statement I is correct but Statement II is incorrect

(4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : आकलन अधिगम को प्रेरित करता है।

कथन (II) : रचनात्मक आकलनों में प्रतिपुष्टि देने की आवश्यकता नहीं है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(1) कथन I और II दोनों सही हैं।

(2) कथन I और II दोनों गलत हैं।

(3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।

(4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

1[Option ID=10029]
2[Option ID=10030]
3[Option ID=10031]
4[Option ID=10032]

Sl. No.9
QBID:1501009

According to Dewry, education is a

(1) Social need

(2) Personal need

(3) Status need

(4) Financial need

ड्योरी के अनुसार शिक्षा है:

(1) सामाजिक आवश्यकता

(2) व्यक्तिगत आवश्यकता

(3) स्थिति (स्टेटस) आवश्यकता

(4) वित्तीय आवश्यकता

1[Option ID=10033]
2[Option ID=10034]
3[Option ID=10035]
4[Option ID=10036]

Sl. No.10
QBID:1501010

Pandit Madan Mohan Malaviya National Mission on Teachers and Teaching has various components. Which of the following is not a component under this scheme?

(1) Inter University Centres of UGC

(2) Faculty Development Centers (FDCs)

(3) Teaching Learning Centres (TLCs)

(4) School Of Education (SOE)

शिक्षकों एवं शिक्षण पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के विभिन्न घटक हैं। निम्नलिखित में से कौन सा इस योजना का घटक नहीं है

(1) यू जी सी के अन्तर्विश्वविद्यालय केन्द्र

(2) फेकल्टी विकास केन्द्र (एफ डी सी)

(3) शिक्षण अधिगम केन्द्र (टी एल सी)

(4) शिक्षा संकाय (एस ओ ई)

1[Option ID=10037]
2[Option ID=10038]
3[Option ID=10039]
4[Option ID=10040]

Sl. No.11
QBID:1501011

Which of the following are the features of case study method?

(A) It is appreciative

(B) It is particularistic

(C) It is descriptive

(D) It is inductive

(E) It is mechanical

Choose the most appropriate answer from the options given below :

(1) (A), (B), (C) only

(2) (B), (C), (D) only

(3) (C), (D), (E) only

(4) (A), (D), (E) only

प्रकरण (केस) अध्ययन पद्धति की विशेषताएँ निम्नलिखित में से कौन सी हैं?

(A) यह प्रशंसनात्मक है।

(B) यह विशिष्टतापरक है।

(C) यह विवरणात्मक है।

(D) यह आगमनात्मक है।

(E) यह यांत्रिक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B), (C)

(2) केवल (B), (C), (D)

(3) केवल (C), (D), (E)

(4) केवल (A), (D), (E)

1[Option ID=10041]
2[Option ID=10042]
3[Option ID=10043]
4[Option ID=10044]

Sl. No.12
QBID:1501012

Which of the following are remote data collection procedures?

(A) Third party interview
(B) Pop-ups
(C) Data base e-mail
(D) Instant messaging
(E) Panel discussions

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (B), (C) only

(2) (B), (C), (D) only

(3) (C), (D), (E) only

(4) (A), (B), (E) only

निम्नलिखित में से दूरस्थ आँकड़ा संग्रहण की प्रक्रियाएँ कौन सी हैं?

(A) थर्ड पार्टी इंटरव्यू (तृतीय पक्ष साक्षात्कार)
(B) पाप-अप्स
(C) डाटा बेस ईमेल
(D) इंस्टैन्ट मैसेजिंग (तात्कालिक संदेशन)
(E) पैनल डिस्कशन (नामिका परिचर्चा)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B), (C)

(2) केवल (B), (C), (D)

(3) केवल (C), (D), (E)

(4) केवल (A), (D), (E)

1[Option ID=10045]
2[Option ID=10046]
3[Option ID=10047]
4[Option ID=10048]

Sl. No.13
QBID:1501013

To perform t-test which of the following softwares can be utilized?

(A) MS Excel
(B) Unix
(C) SPSS
(D) MS Equations

Choose the most appropriate answer from the options given below :

(1) (A) and (B) only

(2) (B), (C) and (D) only

(3) (A) and (C) only

(4) (A), (C) and (D) only

टी–परीक्षण करने हेतु निम्नलिखित में से कौन सा सॉफ्टवेयर प्रयुक्त किया जा सकता है?

(A) एम. एस. एक्सेल
(B) यूनिक्स
(C) एस पी एस एस
(D) एम. एस. इक्वेशन्स

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (B), (C) और (D)

(3) केवल (A) और (C)

(4) केवल (A), (C) और (D)

1[Option ID=10049]
2[Option ID=10050]
3[Option ID=10051]
4[Option ID=10052]

Sl. No.14
QBID:1501014

Match List I with List II

List I Types of Research		List II Research Characteristic	
(A)	Cohort analysis	(I)	Study of a specific population as it undergoes change over time.
(B)	Cultivation analysis	(II)	Simultaneous analysis of two or more data tables.
(C)	Factor analysis	(III)	Analysis of perceptions of social world.
(D)	Canonical analysis	(IV)	A multivariate statistical test used for data reduction.

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I शोध के प्रकार	सूची-II शोध की विशेषताएं
(A) सहगण विश्लेषण	(I) समय के साथ बदलती हुई, एक विशेष जनसँख्या का अध्ययन
(B) कल्टीवेशन (संस्कृति) विश्लेषण	(II) दो या अधिक आँकड़ा सारणियों का साथ-साथ विश्लेषण
(C) कारक विश्लेषण	(III) सामाजिक जगत के प्रत्यक्षण का विश्लेषण
(D) प्रामाणिक विश्लेषण	(IV) आँकड़ों के लघुकरण हेतु बहुचर साँख्यिकीय परीक्षण

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(4) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(II)

1[Option ID=10053]
2[Option ID=10054]
3[Option ID=10055]
4[Option ID=10056]

Sl. No.15
QBID:1501015

The measures of inter-coder reliability are employed in research related to

(1) Discourse analysis

(2) Narrative analysis

(3) Path analysis

(4) Content analysis

इंटर-कोडर विश्वसनीयता के मानदंडों का प्रयोग निम्न से संबंधित शोध में होता है:

(1) विमर्श विश्लेषण

(2) वृत्तांत विश्लेषण

(3) पथ विश्लेषण

(4) विषय-वस्तु विश्लेषण

1[Option ID=10057]
2[Option ID=10058]
3[Option ID=10059]
4[Option ID=10060]

Sl. No.16
QBID:1501016

Transforming ideas, thoughts and messages into verbal and non-verbal signs and symbols is known as

(1) Channelisation

(2) Controlled communication

(3) Encoding

(4) Decoding

धारणाओं, विचारों और संदेशों का मौखिक एवं गैर-मौखिक प्रतीकों में रूपांतरण किस नाम से जाना जाता है ?

(1) मार्गीकरण (चैनेलाइजेशन)

(2) नियंत्रित सम्प्रेषण

(3) कूटलेखन

(4) विकूटन

1[Option ID=10061]
2[Option ID=10062]
3[Option ID=10063]
4[Option ID=10064]

Sl. No.17
QBID:1501017

Which of the following are the effects of oral communication?

(A) Fragmented information
(B) Personal connect
(C) Feed back
(D) Objectivity
(E) Absence of interpretation

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A) and (B) only

(2) (A), (B) and (C) only

(3) (B) and (C) only

(4) (C), (D) and (E) only

निम्नलिखित में से कौन से मौखिक सम्प्रेषण के प्रभाव हैं?

(A) खंडात्मक सूचना
(B) वैयक्तिक संबंध
(C) प्रतिपुष्टि (फीडबैक)
(D) वस्तुनिष्ठता
(E) व्याख्या का अभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (A), (B) और (C)

(3) केवल (B) और (C)

(4) केवल (C), (D) और (E)

1[Option ID=10065]
2[Option ID=10066]
3[Option ID=10067]
4[Option ID=10068]

Sl. No.18
QBID:1501018

Given below are two statements :

Statement I : The psychological obstacle in communication can be seen when the receiver fails to refer language to reality and experience.

Statement II : The stereotypes held by one also contribute to the failure of language to reflect social reality.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

(1) Both Statement I and Statement II are true

(2) Both Statement I and Statement II are false

(3) Statement I is true but Statement II is false

(4) Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : सम्प्रेषण में मनोवैज्ञानिक बाधा तब देखी जा सकती है, जब ग्रहणकर्ता यथार्थ एवं अनुभव को भाषा का संदर्भ देने में विफल रहता है।

कथन (II) : किसी व्यक्ति के रूढ़ प्ररूप सामाजिक यथार्थता को प्रतिबिंबित करने में भाषा की विफलता में भी योगदान करते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) कथन I और II दोनों सत्य हैं।

(2) कथन I और II दोनों असत्य हैं।

(3) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।

(4) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

1[Option ID=10069]
2[Option ID=10070]
3[Option ID=10071]
4[Option ID=10072]

Sl. No.19
QBID:1501019

Identify the correct sequence of the elements of communication set by Aristotle:

(A) Speech
(B) Speaker
(C) Audience
(D) Occasion
(E) Effect

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (D), (B), (C), (E)

(2) (D), (B), (A), (E), (C)

(3) (C), (D), (A), (E), (B)

(4) (B), (A), (D), (C), (E)

अरस्तू द्वारा निर्धारित सम्प्रेषण के तत्वों के सही क्रम की पहचान कीजिए :

(A) भाषण
(B) वक्ता
(C) श्रोता
(D) अवसर
(E) प्रभाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A), (D), (B), (C), (E)

(2) (D), (B), (A), (E), (C)

(3) (C), (D), (A), (E), (B)

(4) (B), (A), (D), (C), (E)

1[Option ID=10073]
2[Option ID=10074]
3[Option ID=10075]
4[Option ID=10076]

Sl. No.20
QBID:1501020

Match List I with List II :

List I Types of Communication Effects		List II Source of Service	
(A)	Instrumental	(I)	Author's observation
(B)	Prestige	(II)	A range of special requests
(C)	Reinforcement	(III)	Sentimental fiction
(D)	Aesthetic	(IV)	Factual reports

Choose the correct answer from the options given below:

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए।

सूची I सम्प्रेषण के प्रभाव के प्रकार		सूची II सेवा का स्रोत	
(A)	सहायक	(I)	लेखक का अवलोकन
(B)	प्रतिष्ठा	(II)	विशेष अनुरोधों की एक रेन्ज
(C)	पुनर्बलन	(III)	भावपूर्ण कथा–साहित्य
(D)	सौंदर्यपरक	(IV)	तथ्यात्मक रिपोर्टें

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

1[Option ID=10077]
2[Option ID=10078]
3[Option ID=10079]
4[Option ID=10080]

Sl. No.21
QBID:1501021

Find the wrong term in the series given below:

16, 22, 30, 45, 52, 66, ...

(1) 22

(2) 30

(3) 66

(4) 45

नीचे दी गई श्रृंखला में गलत पद का पता लगाइए?

16, 22, 30, 45, 52, 66, ...

(1) 22

(2) 30

(3) 66

(4) 45

1[Option ID=10081]
2[Option ID=10082]
3[Option ID=10083]
4[Option ID=10084]

Sl. No.22
QBID:1501022

If the word EARTH be written as QPMZS in coded form, how can the word HEART be written in the same code?

(1) SPMZQ

(2) SQMPZ

(3) SPMQZ

(4) SQPMZ

यदि शब्द - EARTH को कूट रूप में QPMZS लिखा जाता है तो HEART को उसी कूट में किस प्रकार लिखा जा सकता है?

(1) SPMZQ

(2) SQMPZ

(3) SPMQZ

(4) SQPMZ

1[Option ID=10085]
2[Option ID=10086]
3[Option ID=10087]
4[Option ID=10088]

Sl. No.23
QBID:1501023

Compute the value of $\frac{(0.35)^2-(0.03)^2}{0.19}$ upto 3 decimal places:

(1) 0.064

(2) 0.64

(3) 0.006

(4) 0.694

$\frac{(0.35)^2-(0.03)^2}{0.19}$ के मान की दशमलव के तीन स्थानों तक गणना कीजिए।

(1) 0.064

(2) 0.64

(3) 0.006

(4) 0.694

1[Option ID=10089]
2[Option ID=10090]
3[Option ID=10091]
4[Option ID=10092]

Sl. No.24
QBID:1501024

10 chairs and 5 tables were purchased for Rs. 17,500. If the average cost of a chair is Rs.1000, What is the average cost of a table?

(1) Rs. 1,400

(2) Rs. 1,200

(3) Rs. 1,100

(4) Rs. 1,500

10 कुर्सियाँ और 5 मेजों को रु 17,500 में खरीदा गया। यदि एक कुर्सी की औसत कीमत 1000 रु है; तब एक मेज की कीमत औसत क्या है?

(1) रु. 1,400

(2) रु. 1,200

(3) रु. 1,100

(4) रु. 1,500

1[Option ID=10093]
2[Option ID=10094]
3[Option ID=10095]
4[Option ID=10096]

Sl. No.25
QBID:1501025

An Aeroplane started 30 minutes later than the scheduled time from a place 1500 km away from its destination. To reach the destination at the scheduled time the pilot needed to increase the speed by 250 km/hr. What was the speed of the Aeroplane during journey? (in km/hr).

(1) 750

(2) 1000

(3) 800

(4) 900

एक हवाई जहाज ने अपने गंतव्य से 1500 कि.मी. की दूरी पर किसी स्थान से अपने निर्धारित समय से 30 मिनट की देरी से उड़ना प्रारंभ किया। अपने गंतव्य पर निर्धारित समय से पहुँचने हेतु पायलट को गति में 250 किमी. प्रति घंटे की दर से वृद्धि करनी आवश्यक हुयी। यात्रा के दौरान हवाई जहाज की गति कितनी थी (किमी./घंटा में)?

(1) 750

(2) 1000

(3) 800

(4)

900

1[Option ID=10097]
2[Option ID=10098]
3[Option ID=10099]
4[Option ID=10100]

Sl. No.26
QBID:1501026

In classical square of opposition if 'No S is P' is given as false then which of the following could be immediately inferred from it?

(A) 'Some S is not P' is true

(B) 'All S is P' is undetermined

(C) 'Some S is not P' is undetermined

(D) 'Some S is P' is true

(E) 'Some S is not P' is false

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (B), (D) and (E) only

(2) (A), (B) and (D) only

(3) (A), (D) and (E) only

(4) (B), (C) and (D) only

वियुति के क्लासिकीय वर्ग में यदि 'कोई S, P नहीं है', असल के रूप में दिया हो तब निम्नलिखित में से इससे कौन-सा सीधे तौर पर अनुमान लगाया जा सकता है।

(A) 'कुछ S, P नही है', सत्य है

(B) 'सभी S, P है', अनिर्धारित है।

(C) 'कुछ S, P नही है', अनिर्धारित है।

(D) 'कुछ S, P है', सही है

(E) 'कुछ S, P नही है', गलत है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (B), (D) और (E)

(2) केवल (A), (B) और (D)

(3) केवल (A), (D) और (E)

(4) केवल (B), (C) और (D)

1[Option ID=10101]

2[Option ID=10102]
3[Option ID=10103]
4[Option ID=10104]

Sl. No.27
QBID:1501027

Which Fallacy is committed in the following argument?

"Smooth Sailing is all that's there to LIFE with ABC Insurance Policy."

(1) The Appeal to Emotion

(2) The Appeal to Pity

(3) The Appeal to Force

(4) Irrelevant Conclusion

निम्नलिखित युक्ति में कौन-सा दोष व्याप्त है?

''ए बी सी बीमा पॉलिसी के साथ जीवन-यापन सुगम होता है''

(1) भावना के लिए आग्रह

(2) दया के लिए आग्रह

(3) बल के लिए आग्रह

(4) अप्रासंगिक निष्कर्ष

1[Option ID=10105]
2[Option ID=10106]
3[Option ID=10107]
4[Option ID=10108]

Sl. No.28
QBID:1501028

Given below are two statements :

Statement I : To draw an analogy between two or more entities is to indicate one or more respects in which they are similar.

Statement II : Everry analogical inference proceeds from the similarity of two or more things in one or more respects to the similarity of those things in some further respect.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

(1) Both Statement I and Statement II are correct

(2) Both Statement I and Statement II are incorrect

(3) Statement I is correct but Statement II is incorrect

(4) Statement I is incorrect but Statement II is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : दो या अधिक सत्ताओं के मध्य अनुरूपता को बनाना एक या अधिक पहलुओं में उनकी समानता की तरफ इंगित करता है।

कथन (II) : प्रत्येक सादृश्यमूलक अनुमान एक या उससे अधिक पहलुओं में दो या उससे अधिक वस्तुओं की समानता से उन वस्तुओं के किसी अतिरिक्त पहलू की समानता की ओर अग्रसर होता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(1) कथन I और II दोनों सही हैं।

(2) कथन I और II दोनों गलत हैं।

(3) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।

(4) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

1[Option ID=10109]
2[Option ID=10110]
3[Option ID=10111]
4[Option ID=10112]

Sl. No.29
QBID:1501029

Given below are two statements :

Statement I : For the Classical Indian thinkers, inference (anumāna) means only syllogistic inference.

Statement II : Unlike Aristotelian Syllogism, anumāna involves four steps instead of three.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below:

(1) Both Statement I and Statement II are true

(2) Both Statement I and Statement II are false

(3) Statement I is true but Statement II is false

(4) Statement I is false but Statement II is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन (I) : क्लासिकी भारतीय चिंतको के लिए अनुमान का अर्थ केवल न्यायबद्ध अनुमान से है।

कथन (II) : अरस्तूवादी न्यायवाक्य से विपरीत अनुमान में तीन के बजाय चार चरण शामिल होते हैं।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) कथन I और II दोनों सत्य हैं।

(2) कथन I और II दोनों असत्य हैं।

(3) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।

(4) कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

1[Option ID=10113]
2[Option ID=10114]
3[Option ID=10115]
4[Option ID=10116]

Sl. No.30
QBID:1501030

Which of the following means of knowledge involves positing of something for making any unit of cognition self-complete?

(1) Comparison (Upamāna)

(2) Postulation (Arthāpatti)

(3) Non-Cognition (Anupalabdhi)

(4) Verbal Testimony (Śabda)

ज्ञान के निम्नलिखित साधनों में से किस में बोध की कोई भी ईकाई की स्वपूर्णता निर्मित करने हेतु कुछ मान लेना शामिल होता है?

(1)

उपमान

(2) अर्थापत्ति

(3) अनुपलब्धि

(4) शब्द

1[Option ID=10117]
2[Option ID=10118]
3[Option ID=10119]
4[Option ID=10120]

Sl. No.31
QBID:1501031

With respect to data communication, which of the following statements is true about fibre optic cable?

(1) Fibre optic cable carries data in pulses of light and is prone to interference.

(2) Fibre optic cable carries data as electronic signals and is not prone to interference.

(3) Fibre optic cable carries data as electronic signals and is prone to interference.

(4) Fibre optic cable carries data in pulses of light and is not prone to interference.

डाटा (आँकड़ा) संचार के संदर्भ में, फाइबर ऑप्टिक केबल के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(1) फाइबर ऑप्टिक केबल प्रकाश स्पंद में आँकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।

(2) फाइबर ऑप्टिक केबल इलैक्ट्रॉनिक संकेतकों के रूप में आँकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।

(3) फाइबर ऑप्टिक केबल इलैक्ट्रॉनिक संकेतकों के रूप में आँकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख है।

(4) फाइबर ऑप्टिक केबल प्रकाश स्पंद में आँकड़े ले जाता है और यह व्याघात उन्मुख नहीं है।

1[Option ID=10121]
2[Option ID=10122]
3[Option ID=10123]
4[Option ID=10124]

Sl. No.32
QBID:1501032

Arrange the following computer memory types from fastest to slowest speed:

(A) Hard Disk

(B) Main Memory (RAM)

(C) CD-ROM

(D) CPU Registers

(E) Cache Memory

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (D), (E), (A), (B), (C)

(2) (A), (C), (B), (D), (E)

(3) (E), (D), (B), (A), (C)

(4) (D), (E), (B), (A), (C)

कंप्यूटर स्मृति के निम्नलिखित प्रकारों को तीव्रतम से मंदगति के क्रम में लिखिए :

(A) हार्ड डिस्क

(B) मुख्य स्मृति (आर ए एम)

(C) सी डी – आर ओ एम

(D) सी पी यू रजिस्टर

(E) काशे स्मृति (काशे मेमोरी)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (D), (E), (A), (B), (C)

(2) (A), (C), (B), (D), (E)

(3) (E), (D), (B), (A), (C)

(4) (D), (E), (B), (A), (C)

1[Option ID=10125]
2[Option ID=10126]
3[Option ID=10127]
4[Option ID=10128]

Sl. No.33
QBID:1501033

Which of the following statements about malware are true?

(A) A Trojan Horse is malware disguised as legitimate software.

(B) A Virus inserts itself into another program. It runs and spreads itself when the program is opened.

(C) A worm is similar to a virus except that it does not need a program in order to run. It spreads by itself.

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A) and (B) only

(2) (A) and (C) only

(3) (B) and (C) only

(4) (A), (B) and (C)

माल्वेयर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही है?

(A) ट्रोजन हॉर्स एक मालवेयर है जो वैध सॉफ्टवेयर के छद्मवेश में होता है।

(B) वाइरस किसी दूसरे प्रोग्राम में स्वयं घुस जाता है। जब प्रोग्राम खोला जाता है तो यह इसमें चलने और फैलने लगता है।

(C) कृमि एक वायरस के समान होता है। इसमें अंतर सिर्फ यह होता है कि इसको चलने के लिए प्रोग्राम की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वयं फैलता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (A) और (C)

(3) केवल (B) और (C)

(4) केवल (A), (B) और (C)

1[Option ID=10129]
2[Option ID=10130]
3[Option ID=10131]
4[Option ID=10132]

Sl. No.34
QBID:1501034

Match List I with List II

List I (File)		List II (File Format)	
(A)	Video	(I)	.xlsx
(B)	Podcast	(II)	.jpg
(C)	Photograph	(III)	.mp4
(D)	Spreadsheet	(IV)	.mp3

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)

(3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I फाइल		सूची-II फाइल फार्मेट	
(A)	वीडियो	(I)	.एक्सएलएसएक्स
(B)	पोडकास्ट	(II)	.जेपीजी
(C)	फोटोग्राफ	(III)	.एमपी4
(D)	स्प्रैडशीट	(IV)	.एमपी3

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(I)

(2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(III), (D)-(I)

(3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(4) (A)-(I), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(III)

1[Option ID=10133]
2[Option ID=10134]
3[Option ID=10135]
4[Option ID=10136]

Sl. No.35
QBID:1501035

In the following spreadsheet, which of the formulae below would be best for cell C2? Note that the formula must be able to be copied down from C2 to both C3 and C4.

	A	B	C
1	Lunch Cost (Rs.)	Dinner Cost (Rs.)	Total Cost (Rs.)
2	15	27	42
3	23	35	58
4	10	35	45

(1) = A$2 + $B2

(2) = A2 + B2

(3) = A2 + B2

(4) = $A2 + $B2

निम्नलिखित विस्तार शीट (स्प्रेडशीट) में, निम्नलिखित में कौन-सा सूत्र (फार्मूला) सेल सी 2 के लिए सर्वोत्तम रहेगा ? नोट करें कि फॉर्मूला, सी 2 से सी 3 और सी 4 दोनों में कॉपी हो सके।

	ए	बी	सी
1	मध्यान्ह भोजन लागत (रु.)	रात्रि भोजन लागत (रु.)	कुल लागत (रु.)
2	15	27	42
3	23	35	58
4	10	35	45

(1) = ए$2 + $बी2

(2) = $ए$2 + बी2

(3) = $ए$2 + $बी$2

(4) = $ए2 + $बी2

1[Option ID=10137]
2[Option ID=10138]
3[Option ID=10139]
4[Option ID=10140]

Sl. No.36
QBID:1501036

Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :

Assertion (A) : Soil Pollution due to detergents affects the root growth of the plants and depresses the growth of soil micro-organisms.

Reason (R) : Presence of detergents in soil makes the soil more acidic.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

(1) Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are correct but (R) is NOT the correct explanation of (A)

(3) (A) is correct but (R) is not correct

(4) (A) is not correct but (R) is correct

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : अपमार्जकों (डिटरजेंट) के कारण हुए मृदा प्रदूषण से पौधों के मूल विकास पर प्रभाव पड़ता है और मृदा की सूक्ष्क जीवों के विकास को भी कम कर देता है।

कारण (R) : मृदा में डिटरजेंट की उपस्थिति मृदा को अधिक अम्लीय बना देता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।

(4) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

1[Option ID=10141]
2[Option ID=10142]
3[Option ID=10143]
4[Option ID=10144]

Sl. No.37
QBID:1501037

Examples of Persistant Organic Pollutants (POPs) are:

(A) Dioxins

(B) PAN

(C) VOC

(D) FURANS

(E) PCB

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (D), (E) only

(2) (A), (B), (D) only

(3) (B), (C), (E) only

(4) (C), (D), (E) only

सतत जैव प्रदूषकों (POPs) के उदाहरण हैं :

(A) डायोक्सिन्स

(B) पीएएन (PAN)

(C) वी ओ सी (VOC)

(D) फ्यूरांस

(E) पी सी बी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (D), (E)

(2) केवल (A), (B), (D)

(3) केवल (B), (C), (E)

(4) केवल (C), (D), (E)

1[Option ID=10145]
2[Option ID=10146]
3[Option ID=10147]
4[Option ID=10148]

Sl. No.38
QBID:1501038

In the first commitment period of Kyoto Protocol, how many green house gases were covered for reducing their emissions?

(1) 4

(2) 5

(3) 6

(4) 7

क्योटो प्रोटोकॉल की प्रथम प्रतिबद्धता अवधि में कितने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए आवरित किया गया था?

(1) 4

(2) 5

(3) 6

(4) 7

1[Option ID=10149]
2[Option ID=10150]
3[Option ID=10151]
4[Option ID=10152]

Sl. No.39
QBID:1501039

Given below are two statements : One is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R) :

Assertion (A) : Green hydrogen production will be critical for world community to achieve carbon neutrality by the year 2050.

Reason (R) : The energy content of hydrogen gas is much higher than that of coal.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is NOT the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) (A) is false but (R) is true

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : विश्व समुदाय के लिए 2050 तक कार्बन निरपेक्षता प्राप्त करने हेतु हरित हाइड्रोजन का उत्पादन निर्णायक होगा।

कारण (R) : इाइड्रोजन गैस की ऊर्जा मात्रा कोयले की अपेक्षा बहुत अधिक होती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(2) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य नहीं है।

(4) (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

1[Option ID=10153]
2[Option ID=10154]
3[Option ID=10155]
4[Option ID=10156]

Sl. No.40
QBID:1501040

Since the start of industrial revolution, the acidity of ocean's surface water has

(1) increased by ~10%

(2) remained constant

(3) decreased by ~25%

(4) increased by ~30%

औद्योगिक क्रांति की शुरुआत से समुद्र के सतही जल की अम्लता–

(1) ~10% बड़ गयी है

(2) यथावत है

(3) ~25% कम हो गयी है

(4)

~30% बढ़ गयी है

1[Option ID=10157]
2[Option ID=10158]
3[Option ID=10159]
4[Option ID=10160]

Sl. No.41
QBID:1501041

A Government University with Institute of Eminence status can have foreign faculty upto a maximum of

(1) 20% of total faculty strength

(2) 25% of total faculty strength

(3) 30% of total faculty strength

(4) 35% of total faculty strength

लब्ध प्रतिष्ठित संस्थान की स्थिति प्राप्त शासकीय विश्वविद्यालय में अधिकतम कितने विदेशी शिक्षक रखे जा सकते हैं?

(1) कुल शिक्षकों की संख्या का 20%

(2) कुल शिक्षकों की संख्या का 25%

(3) कुल शिक्षकों की संख्या का 30%

(4) कुल शिक्षकों की संख्या का 35%

1[Option ID=10161]
2[Option ID=10162]
3[Option ID=10163]
4[Option ID=10164]

Sl. No.42
QBID:1501042

Credits earned by a student and stored in Academic Bank of Credit, after the date of earning such credits, will have validity upto a maximum of

(1) 7 years

(2) 10 years

(3) 12 years

(4) 15 years

किसी छात्र द्वारा अर्जित और अकादमिक क्रेडिट बैंक में जमा क्रेडिट, प्राप्त करने की तिथि के पश्चात, अधिकतम कब तक के लिये वैध होंगे?

(1) 7 वर्षों के लिए

(2) 10 वर्षों के लिए

(3) 12 वर्षों के लिए

(4) 15 वर्षों के लिए

1[Option ID=10165]
2[Option ID=10166]
3[Option ID=10167]
4[Option ID=10168]

Sl. No.43
QBID:1501043

Identify the statutory bodies of a University:

(A) Board of studies

(B) Academic Council

(C) Executive Council

(D) Finance Committee

(E) University Court

Choose the correct answer from the options given below :

(1) (A), (B), (C), (D) only

(2) (A), (C) only

(3) (A), (C), (E) only

(4) (B), (C), (D), (E) only

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकायों को चिन्हित कीजिए :

(A) अध्ययन मंडल

(B) शैक्षिक परिषद

(C) कार्यकारी परिषद

(D) वित्त समिति

(E) विश्वविद्यालय कोर्ट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) केवल (A), (B), (C), (D)

(2) केवल (A), (C)

(3) केवल (A), (C), (E)

(4) केवल (B), (C), (D), (E)

1[Option ID=10169]
2[Option ID=10170]
3[Option ID=10171]
4[Option ID=10172]

Sl. No.44
QBID:1501044

Environmental education must be integral to all academic programmes as students need to be mainly sensitized about

(1) its interdisciplinary and multidisciplinary nature

(2) its emergence as a specialized field

(3) relationship between culture and environment

(4) environmental degradation and its consequences for life on earth

पर्यावरणी शिक्षा आवश्यक रूप से सभी शैक्षिक कार्यक्रमों का अनिवार्य अंग होना चाहिए जिससे छात्रों को निम्न के बारे में मुख्यतः जागरुक बनाया जा सके:

(1) इसकी अंतर्विषयी और बहुविषयी प्रकृति

(2) इसका विशेष क्षेत्र के रूप में आविर्भाव

(3) संस्कृति और पर्यावरण के मध्य संबंध

(4) पर्यावरणी निम्नीकरण और पृथ्वी पर जीवन के लिए इसका परिणाम

1[Option ID=10173]
2[Option ID=10174]
3[Option ID=10175]
4[Option ID=10176]

Sl. No.45
QBID:1501045

'How could a lamp, which does not keep on burning, light another lamp?' This statement is from the book titled 'Siksha (learning). Who among the following is the author of this book?

(1) Rabindranath Tagore

(2) Sarvapalli Radhakrishnan

(3) Jyoti Phule

(4) Savitribai Phule

'कोई दीपक जब स्वयं नहीं जल रहा है, किसी अन्य दीपक को कैसे जला सकता है?' यह कथन शिक्षा (सीखना) शीर्षक पुस्तक से है। निम्नलिखित में से इस पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(1) रबीन्द्रनाथ टैगार

(2) सर्वपल्ली राधाकृष्णन

(3) ज्योतिबा फुले

(4) सावित्री बाई फुले

1[Option ID=10177]
2[Option ID=10178]
3[Option ID=10179]
4[Option ID=10180]

Sl. No.46
QBID:1501046

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकरी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

Despite hegemony, why marginalised people do not protest?

(1) Because they are too weak.

(2) They are not bothered being dominated.

(3) Priviledged groups forcefully suppress them.

(4) Because of the promise that the dominant ideology is in their best interest.

सीमांत लोग आधिपत्य के बावजूद विरोध क्यों नहीं करते हैं?

(1) क्योंकि वे अत्यधिक कमजोर हैं।

(2)

उन्हें आधिपत्य में रहने के बारे में चिंता नहीं है।

(3) विशेषाधिकार-प्राप्त समूह बलपूर्वक उनका दमन करते हैं।

(4) इस वचन के कारण से कि वर्चस्वकारी विचार धारा उनके सर्वोत्तम हित में है।

1[Option ID=10181]
2[Option ID=10182]
3[Option ID=10183]
4[Option ID=10184]

Sl. No.47
QBID:1501047

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकरी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

What is the acceptance of domination called?

(1)

Hegemony

(2) Marginalisation

(3) Spontaneous consent

(4) Reflective desire

वर्चस्व की स्वीकार्यता को क्या कहा जाता है?

(1) आधिपत्य

(2) सीमांतीकरण

(3) स्वतः स्फूर्त सहमति

(4) प्रतिबिंबिक इच्छा

1[Option ID=10185]
2[Option ID=10186]
3[Option ID=10187]
4[Option ID=10188]

Sl. No.48
QBID:1501048

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकरी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The dominant ideology survives because of its

(1) Social Power

(2) Flexible appropriation

(3) Beneficial features

(4) Ideological components

वर्चस्वकारी विचारधारा किस कारण से बनी रहती है?

(1) सामाजिक शक्ति

(2)

लचीला विनियोजन

(3) लाभप्रद विशेषताएं

(4) वैचारिक घटक

1[Option ID=10189]
2[Option ID=10190]
3[Option ID=10191]
4[Option ID=10192]

Sl. No.49
QBID:1501049

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकरी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The dominant cultural institutions have the power to

(A) Absorb challenges

(B) Maintain relations with social groups

(C) Destroy opposition

(D) Re-establish the preious norms

Choose the most appropriate answer from the options given below :

(1) (A) and (B) only

(2) (B), and (C) only

(3) (C) and (D) only

(4) (A) and (D) only

वर्चस्वकारी सांस्कृतिक संस्थाओं में क्या शक्ति होती है?

(A) चुनौतियों को आत्मसात करना

(B) सामाजिक समूहों के साथ संबंध बनाए रखना

(C) विरोध को नष्ट करना

(D) पूर्ववर्ती मानकों को पुनः स्थापति करना

सही विकल्प चुनिए :

(1) केवल (A) और (B)

(2) केवल (B) और (C)

(3) केवल (C) और (D)

(4) केवल (A) और (D)

1[Option ID=10193]
2[Option ID=10194]
3[Option ID=10195]
4[Option ID=10196]

Sl. No.50
QBID:1501050

Read the following passage and answer the questions :

An essential function of hegemony involves convincing people to support the existence of a social system that does not support them in return. Marginalised groups do not often protest or revolt against ideologies that overwhelmingly support privileged groups because, on some level, they consent to being dominated. This statement prompts an immediate question: Why would anyone consent to such an arrangement? While dominant ideologies may reflect the desires and interests of socially powerful groups, for these ideologies to remain dormant or hegemonic, they must also feature an additional promise. It is in the best interest of the marginalized groups to accept these beliefs as well. Put another way, members of socially powerful groups act to have their world view accepted as the universal way of thinking, and members outside these groups come to accept some of these ideologies because they appear beneficial in some way. This is referred to as a process of spontaneous consent because it is typically informal or unnoticed. The best way to understand the spontaneous consent of hegemony is through an example. A number of ideological components within a nation's higher education system may not be in the best interests of students. One dominant belief suggests that college students should pay for their own education. Despite being affected by the belief, they accept it, and the ideology survives. When such consent fails, however, the concept of hegemony also explains how dominant ideologies evolve to contain this failure through a process of flexible appropriation. In such a situation, it is likely that dominant cultural institutions will absorb any challenging beliefs, integrate them into the hegemonic matrix, and re-establish the previous norm. As a result, hegemonic systems never go away. They simply change form through a process of constant give and take between social group. Hegemonic ideological structures maintain control in part through the never-ending process of integration and appropriation of marginalised ideologies.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के उत्तर दीजिए :

आधिपत्य के एक आवश्यक कार्य में एक सामाजिक व्यवस्था के अस्तित्व के प्रति समर्थन देने के लिए लोगों को आश्वस्त करना शामिल है, जो बदले में उनका समर्थन नहीं करती है। सीमांत समूह प्रायः उन विचारधाराओं का विरोध या उनके प्रति विद्रोह नहीं करते, जो विशेषाधिकार-प्राप्त समूहों का अत्याधिक समर्थन करती हैं, क्योंकि वे किसी स्तर पर आधिपत्य जमाने देने पर सहमत होने दे रहे होते हैं। इस कथन से तत्काल प्रश्न खड़ा होता है। कोई भी व्यक्ति क्यों इस प्रकार की व्यवस्था के प्रति सहमत होता है? जबकि वर्चस्वकारी विचारधाराएं सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूहों की इच्छाओं और हितों को प्रतिबिंबित करती हैं, इन विचारधाराओं के प्रसुप्त या आधिपत्यवादी बने रहने के लिए उनमें एक अतिरिक्त वचन देने की विशेषता भी आवश्यक है। सीमांत समूहों का श्रेष्ठ हित इन धारणाओं को स्वीकार करने में भी है। अन्य तरीके से कहा जाए तो सामाजिक रूप से शक्तिशाली समूह उनके वैश्विक दृष्टिकोण को सार्वभौमिक चिंतन के तरीके के रूप में स्वीकार करने के लिए कार्य करते हैं और इन समूहों के बाहर के सदस्य इन विचारधाराओं को स्वीकार करने लगते हैं क्योंकि ये उन्हें किसी तरीके से लाभप्रद लगती हैं। इसे स्वतः स्फूर्त सहमति की एक प्रक्रिया के रूप में संदर्भित किया जाता है क्योंकि यह विशिष्ट रूप से अनौपचारिक है या उस पर ध्यान नहीं जाता। आधिपत्य के प्रति स्वतः स्फूर्त सहमति को एक उदाहरण के माध्यम से श्रेष्ठ तरीके से समझा जा सकता है। किसी देश की उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर अनेक वैचारिक घटक विद्यार्थियों के सर्वोत्तम हितों में नहीं हो सकते हैं। एक वर्चस्वकारी धारणा सुझाती है कि कॉलेज के विद्यार्थियों को अपनी स्वयं की शिक्षा का भुगतान करना चाहिए। इस धारणा से प्रभावित होने के बावजूद वे इसे स्वीकार कर लेते हैं और यह विचारधारा बनी रहती है। लेकिन, जब इस प्रकार की सहमति विफल हो जाती है तो आधिपत्य की अवधारणा स्पष्ट करती है कि किस प्रकार वर्चस्वकारी विचारधाराएं लचीले विनियोजन की प्रक्रिया के माध्यम से इस विफलता को रोकने के लिए विकसित होती हैं। इस तरह की स्थिति में यह संभावना है कि वर्चस्वकरी सांस्कृतिक संस्थाएं किसी चुनौतीपूर्ण धारणा को आत्मसात करेंगी उन्हें आधिपत्यवादी मैट्रिक्स में एकीकृत करेंगी और पूर्ववर्ती मानक को पुनः स्थापित करेंगी। परिणामस्वरूप आधिपत्यवादी प्रणालियाँ कभी भी लुप्त नहीं होतीं। वे सामाजिक समूहों के बीच निरंतर लेन-देन की प्रक्रिया के माध्यम से केवल रूप बदलती हैं। आधिपत्यवादी वैचारिक संरचनाएं आंशिक रूप से सीमांत विचारधाराओं के एकीकरण और विनियोजन की कभी भी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया के माध्यम से नियंत्रण बनाए रखती हैं।

The passage explains

(1) The forced absorption of the marginalized into the mainstream

(2) The establishment of the ideology of the marginalised

(3) The defects of spontaneous consent

(4) The survival of dominant ideology against the challenges

उपरोक्त गद्यांश क्या स्पष्ट करता है?

(1) सीमांतीकृत का मुख्य धारा में बलात् आत्मसात करना

(2) सीमांतीकृत की विचारधारा की स्थापना

(3) स्वतः स्फूर्त सहमति के दोष

(4) चुनौतियों के विरुद्ध वर्चस्वकारी विचारधारा का बने रहना

1[Option ID=10197]
2[Option ID=10198]
3[Option ID=10199]
4[Option ID=10200]

Sl. No.51
QBID:731001

सम्प्रज्ञातसमाधिः कतिविधः?

(1) चतुर्विधः

(2) सप्तविधः

(3) त्रिविधः

(4) द्विविधः

1[Option ID=16401]
2[Option ID=16402]
3[Option ID=16403]
4[Option ID=16404]

Sl. No.52
QBID:731002

'पञ्चमात् सप्तमादूर्ध्वं मातृतः पितृतस्तथा' इति विधानं कस्मिन् प्रसंगे उपयुज्यते?

(1) विवाहप्रसंगे

(2) अन्नप्राशनप्रसंगे

(3) संन्यासप्रसंगे

(4) अन्त्येष्टिप्रसंगे

1[Option ID=16405]
2[Option ID=16406]
3[Option ID=16407]
4[Option ID=16408]

Sl. No.53
QBID:731003

'समनन्तरमेव रसास्वादनसमुद्भूतम्' इति विवृतिः अस्ति–

(1) सद्यःपरनिवृतेः

(2) शिवेतरक्षतेः

(3) काव्यश्रवणजन्यबुद्धेः

(4) उपनिषदाम्

1[Option ID=16409]
2[Option ID=16410]
3[Option ID=16411]
4[Option ID=16412]

Sl. No.54
QBID:731004

द्वैतसिद्धान्तस्य प्रतिष्ठापकाचार्यः कः?

(1) श्रीरङ्गाचार्यः

(2) शङ्कराचार्यः

(3) मध्वाचार्यः

(4) यामुनाचार्यः

1[Option ID=16413]
2[Option ID=16414]
3[Option ID=16415]
4[Option ID=16416]

Sl. No.55
QBID:731005

अधस्तनेषु होराग्रन्थः कः ?

(1) सूर्यसिद्धान्तः

(2) पञ्चसिद्धान्तिका

(3) बृहज्जातकम्

(4) भृगुसंहिता

1[Option ID=16417]
2[Option ID=16418]
3[Option ID=16419]
4[Option ID=16420]

Sl. No.56
QBID:731006

कालपुरुषस्य हृदयमस्ति –

(1) सिंहराशिः

(2) कर्कराशिः

(3) तुलाराशिः

(4) कुम्भराशिः

1[Option ID=16421]
2[Option ID=16422]
3[Option ID=16423]
4[Option ID=16424]

Sl. No.57
QBID:731007

सिंहराशेः स्वामी कः ?

(1) चन्द्रः

(2) सूर्यः

(3) भौमः

(4) गुरुः

1[Option ID=16425]
2[Option ID=16426]
3[Option ID=16427]
4[Option ID=16428]

Sl. No.58
QBID:731008

'पुरा नवं भवति' इति पुराणशब्दस्य व्युत्पत्तिः कस्य मते अस्ति?

(1) पद्मपुराणस्य

(2) महर्षियास्कस्य

(3) याज्ञवल्क्यस्य

(4) गौतमस्य

1[Option ID=16429]
2[Option ID=16430]
3[Option ID=16431]
4[Option ID=16432]

Sl. No.59

QBID:731009

पुराणदृष्ट्या एषः सर्गः नास्ति –

(1) प्राकृतसर्गः

(2) वैकृतसर्गः

(3) प्राकृतवैकृतरूपसर्गः

(4) संसर्गरूपः

1[Option ID=16433]
2[Option ID=16434]
3[Option ID=16435]
4[Option ID=16436]

Sl. No.60
QBID:731010

धर्मशास्त्रे आधिः कतिविधः?

(1) त्रिविधः

(2) द्विविधः

(3) पञ्चविधः

(4) षड्विधः

1[Option ID=16437]
2[Option ID=16438]
3[Option ID=16439]
4[Option ID=16440]

Sl. No.61
QBID:731011

त्रिष्टुप्छन्दसि कति पादाः भवन्ति?

(1) त्रयः

(2) चत्वारः

(3) षड्

(4) पञ्च

1[Option ID=16441]
2[Option ID=16442]
3[Option ID=16443]
4[Option ID=16444]

Sl. No.62
QBID:731012

अचिन्त्यभेदाभेदवादस्य आचार्यः अस्ति–

(1) धर्मकीर्तिः

(2) सिद्धसेनदिवाकरः

(3) बलदेवविद्याभूषणः

(4) सुधांशुरथः

1[Option ID=16445]
2[Option ID=16446]
3[Option ID=16447]
4[Option ID=16448]

Sl. No.63
QBID:731013

पण्डितराजजगन्नाथोक्तं काव्यलक्षणमस्ति–

(1) आस्वादजीवातुपदसन्दर्भः काव्यम्।

(2) अदोषौ सगुणौ सालङ्कारौ च शब्दार्थौ काव्यम्।

(3) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्।

(4) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्।

1[Option ID=16449]
2[Option ID=16450]
3[Option ID=16451]
4[Option ID=16452]

Sl. No.64
QBID:731014

आरोप्यमाणः आरोपविषयश्च यत्रानपह्नुतभेदौ सामानाधिकरण्येन निर्दिश्यते सा लक्षणा –

(1) साध्यवसाना

(2) सारोपा

(3) साध्यवसाना सारोपा च

(4) न साध्यवसाना न च सारोपा

1[Option ID=16453]
2[Option ID=16454]
3[Option ID=16455]
4[Option ID=16456]

Sl. No.65
QBID:731015

अधोलिखितेषु सत्यं कथनमस्ति–

(1) 'तत्त्वमसि' इत्यत्र तत्–त्वंपदयोः विशेषणविशेष्यभावः अस्ति।

(2) 'तत्त्वमसि' इत्यत्र परोक्षत्व – अपरोक्षत्वादिविशिष्टचैतन्ययोः सामानाधिकरण्यम् अस्ति।

(3) 'तत्त्वमसि' इत्यत्र परोक्षत्व – अपरोक्षत्वादिविशिष्टत्वरूपविरुद्धांशपरित्यागपूर्वकतत्त्वंपदलक्ष्याविरुद्धचैतन्येन सह तत्त्वंपदयोः तदर्थयोः वा लक्ष्यलक्षणभावः अस्ति।

(4) 'तत्त्वमसि' इति वाक्यं यजुर्वेदे पठितमस्ति।

1[Option ID=16457]
2[Option ID=16458]
3[Option ID=16459]
4[Option ID=16460]

Sl. No.66
QBID:731016

अनादरार्थः वर्तते –

(1) 'आश्चर्यो गवां दोहः अगोपेन' इत्यत्र

(2) 'रुदति रुदतः वा प्राव्राजीत्' इत्यत्र

(3) 'अध्ययनेन वसति' इत्यत्र

(4) 'चर्मणि द्वीपिनं हन्ति' इत्यत्र

1[Option ID=16461]
2[Option ID=16462]
3[Option ID=16463]
4[Option ID=16464]

Sl. No.67
QBID:731017

'कृतान्नः पाह्येनसो यत्किञ्चानृतमूदिम' वाक्यमिदं केन सम्बद्धम्?

(1) कूष्माण्डहोमेन

(2) पञ्चमहायज्ञेन

(3)

ऐतरेयारण्यकेन

(4) स्वाध्याययज्ञेन

1[Option ID=16465]
2[Option ID=16466]
3[Option ID=16467]
4[Option ID=16468]

Sl. No.68
QBID:731018

विनियोगविधेः षट्प्रमाणेषु 'लिङ्गम्' इति किम्?

(1) विशेषणसामर्थ्यम्

(2) अर्थसामर्थ्यम्

(3) शब्दसामर्थ्यम्

(4) सम्बन्धसामर्थ्यम्

1[Option ID=16469]
2[Option ID=16470]
3[Option ID=16471]
4[Option ID=16472]

Sl. No.69
QBID:731019

'भूतले घटाभावः' इत्यत्र घटाभावप्रत्यक्षे कः सन्निकर्षः?

(1) चक्षुस्संयुक्तविशेषणता

(2) चक्षुस्संयुक्तविशेष्यता

(3) चक्षुस्संयुक्तसमवेतविशेषणता

(4) चक्षुस्संयुक्तसमवेतविशेष्यता

1[Option ID=16473]
2[Option ID=16474]
3[Option ID=16475]
4[Option ID=16476]

Sl. No.70
QBID:731020

आधुनिकन्यायग्रणाल्यां न्यायाभिमतायाः कस्याः कथायाः सम्प्रयोगो भवति?

(1) वादकथायाः

(2) जल्पकथायाः

(3) वितण्डाकथायाः

(4) न कस्याः कथायाः

1[Option ID=16477]
2[Option ID=16478]
3[Option ID=16479]
4[Option ID=16480]

Sl. No.71
QBID:731021

'अयमात्मा ज्ञानाद्' इत्यत्र हेतुतावच्छेदकसम्बन्धः कः?

(1) संयोगः

(2) स्वरूपः

(3) समवायः

(4) कालिकः

1[Option ID=16481]
2[Option ID=16482]
3[Option ID=16483]
4[Option ID=16484]

Sl. No.72
QBID:731022

द्रव्यगुणकर्मणां किं साधर्म्यम्?

(1) अभावत्वम्

(2) गुणवत्त्वम्

(3) सत्तावत्त्वम्

(4) क्रियारहितत्त्वम्

1[Option ID=16485]
2[Option ID=16486]
3[Option ID=16487]
4[Option ID=16488]

Sl. No.73
QBID:731023

सुषुप्तावस्थायाम् ईश्वरप्राज्ञौ आनन्दम् अनुभवतः

(1) मनोवृत्तिभिः

(2) अज्ञानवृत्तिभिः

(3) हस्तपादादिचेष्टितैः

(4) शब्दवृत्तिभिः

1[Option ID=16489]
2[Option ID=16490]
3[Option ID=16491]
4[Option ID=16492]

Sl. No.74
QBID:731024

ईश्वरप्रणिधानस्य कुत्र ग्रहणं भवति?

(1) आसने

(2) ध्याने

(3) यमे

(4) नियमे

1[Option ID=16493]
2[Option ID=16494]
3[Option ID=16495]
4[Option ID=16496]

Sl. No.75
QBID:731025

कारणभावात् कस्य सिद्धिर्भवति?

(1) विवर्तस्य

(2) सत्कार्यस्य

(3) असत्कार्यस्य

(4) सत्ख्यातेः

1[Option ID=16497]
2[Option ID=16498]
3[Option ID=16499]
4[Option ID=16500]

Sl. No.76
QBID:731026

अधस्तनेषु को हि कर्मभावः ?

(1) पञ्चमभावः

(2) दशमभावः

(3) सप्तमभावः

(4) द्वादशभावः

1[Option ID=16501]
2[Option ID=16502]
3[Option ID=16503]
4[Option ID=16504]

Sl. No.77
QBID:731027

पुराणस्य दशलक्षणेषु नैतद् वर्तते–

(1) पोषणम्

(2) ऊतिः

(3) आश्रयः

(4) उत्कण्ठा

1[Option ID=16505]
2[Option ID=16506]
3[Option ID=16507]
4[Option ID=16508]

Sl. No.78
QBID:731028

पुराणदृष्ट्या कलियुगस्य मानसमयः (कालः)–

(1) 432000 वर्षाणि

(2) 432005 वर्षाणि

(3) 431000 वर्षाणि

(4) 430000 वर्षाणि

1[Option ID=16509]
2[Option ID=16510]
3[Option ID=16511]
4[Option ID=16512]

Sl. No.79
QBID:731029

एकप्रत्ययगम्यत्वेऽपि संख्यादीनां कथं न शाब्दीभावनायाः साध्यत्वेन अन्वयः ?

(1) दूरत्वात्

(2) अयोग्यत्वात्

(3) विशिष्टत्वात्

(4) सम्बन्धत्वात्

1[Option ID=16513]
2[Option ID=16514]
3[Option ID=16515]
4[Option ID=16516]

Sl. No.80
QBID:731030

'कर्मजन्यफलस्वाम्यबोधकोऽधिकारविधिः' इत्यत्र स्वाम्यं नाम किम् ?

(1) कर्मकर्तृत्वम्

(2)

फलभोक्तृत्वम्

(3) करणत्वम्

(4) कर्मजन्यत्वम्

1[Option ID=16517]
2[Option ID=16518]
3[Option ID=16519]
4[Option ID=16520]

Sl. No.81
QBID:731031

आर्थीभावना केन अंशेन उच्यते?

(1) धात्वंशेन

(2) अर्थांशेन

(3) लिङ्त्वांशेन

(4) आख्यातांशेन

1[Option ID=16521]
2[Option ID=16522]
3[Option ID=16523]
4[Option ID=16524]

Sl. No.82
QBID:731032

धर्मशास्त्रे व्यवहारो नाम किम्?

(1) अविरुद्धकथनम्

(2) अन्यविरोधेन स्वात्मसंबन्धितया कथनम्

(3) विनाविरोधेन परवस्तुग्रहणम्

(4) विरोधेन व्यवहरणम्

1[Option ID=16525]
2[Option ID=16526]
3[Option ID=16527]
4[Option ID=16528]

Sl. No.83
QBID:731033

श्रुतिस्मृत्योः विरोधे कस्य प्राबल्यं स्वीक्रियते ?

(1) महाभारतस्य

(2) श्रुतेः

(3) स्मृतेः

(4) रामायणस्य

1[Option ID=16529]
2[Option ID=16530]
3[Option ID=16531]
4[Option ID=16532]

Sl. No.84
QBID:731034

''भावो हि द्विविधः कारणरूपः कार्यरूपश्चेति'' कस्य मतमस्ति?

(1) दुर्गस्य

(2) यास्कस्य

(3)

सायणस्य

(4) गर्गस्य

1[Option ID=16533]
2[Option ID=16534]
3[Option ID=16535]
4[Option ID=16536]

Sl. No.85
QBID:731035

श्रौतयागे याज्यापुरोऽनुवाक्ययोः पाठकाले कस्य प्राथम्यम्?

(1) याज्यायाः

(2) पुरोऽनुवाक्यायाः

(3) स्तुतेः

(4) शस्त्रपाठस्य

1[Option ID=16537]
2[Option ID=16538]
3[Option ID=16539]
4[Option ID=16540]

Sl. No.86
QBID:731036

''शिवच्छाया'' इत्यत्र तुगागमविधायकं सूत्रं किम्?

(1) दीर्घात्

(2) सोऽपदादौ

(3) छे च

(4) ह्रस्वस्य पिति कृति तुक्

1[Option ID=16541]
2[Option ID=16542]
3[Option ID=16543]
4[Option ID=16544]

Sl. No.87
QBID:731037

'ण्य आवश्यके' इति सूत्रम् अस्ति –

(1) कुत्वविधायकम्

(2) कुत्वनिषेधकम्

(3) णत्वविधायकम्

(4) णत्वनिषेधकम्

1[Option ID=16545]
2[Option ID=16546]
3[Option ID=16547]
4[Option ID=16548]

Sl. No.88
QBID:731038

'यञश्च' इति सूत्रं विदधाति –

(1) ङीप् प्रत्ययम्

(2) मत्वर्थप्रत्ययम्

(3) अपत्यार्थकप्रत्ययम्

(4)

तत्पुरुषसमासनिषेधः

1[Option ID=16549]
2[Option ID=16550]
3[Option ID=16551]
4[Option ID=16552]

Sl. No.89
QBID:731039

निर्विकल्पकसमाधेः विघ्नविशेषः अस्ति–

(1) अनुधावनम्

(2) रसास्वादः

(3) समाहृतिः

(4) सुषुप्तिः

1[Option ID=16553]
2[Option ID=16554]
3[Option ID=16555]
4[Option ID=16556]

Sl. No.90
QBID:731040

प्रायः व्यञ्जकत्वं संभवति –

(1) वाच्यार्थस्य

(2) लक्ष्यार्थस्य

(3) व्यङ्ग्यार्थस्य

(4) सर्वे त्रयः अपि विकल्पाः

1[Option ID=16557]
2[Option ID=16558]
3[Option ID=16559]
4[Option ID=16560]

Sl. No.91
QBID:731041

ऋग्वेदसंहितायाः भाष्यकारौ स्तः –

(A) माधवः

(B) स्कन्दस्वामी

(C) हलायुधः

(D) वेकटमाधवः

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3) (C), (D) केवलम्

(4) (B), (D) केवलम्

1[Option ID=16561]
2[Option ID=16562]
3[Option ID=16563]
4[Option ID=16564]

Sl. No.92
QBID:731042

ज्यौतिषशास्त्रानुसारेण शनिः अधिपतिः भवति –

(A) मकरस्य

(B) मीनस्य

(C) कुम्भस्य

(D) तुलायाः

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3) (C), (D) केवलम्

(4) (A), (C) केवलम्

1[Option ID=16565]
2[Option ID=16566]
3[Option ID=16567]
4[Option ID=16568]

Sl. No.93
QBID:731043

सत्यकथनम् अस्ति –

(A) विवर्तवाद : सत्कार्यवादस्यैव एकं रूपम् अस्ति।

(B) विवर्तवाद : असत्कार्यवादस्यैव एकं रूपम् अस्ति।

(C) परिणामवाद : सत्कार्यवादस्यैव एकं रूपम् अस्ति।

(D) परिणामवाद : असत्कार्यवादस्यैव एकं रूपम् अस्ति।

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (C) and (D) केवलम्

(2) (A) and (D) केवलम्

(3) (B) and (C) केवलम्

(4) (A) and (B) केवलम्

1[Option ID=16569]
2[Option ID=16570]
3[Option ID=16571]
4[Option ID=16572]

Sl. No.94
QBID:731044

शाण्डिल्यविद्या सम्बद्धा –

(A) ज्ञानेन

(B) भक्त्या

(C) योगेन

(D) प्रपत्त्या

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (D) केवलम्

(2) (B), (D) केवलम्

(3) (C), (B) केवलम्

(4) (A), (B) केवलम्

1[Option ID=16573]
2[Option ID=16574]
3[Option ID=16575]
4[Option ID=16576]

Sl. No.95
QBID:731045

सत्यम् कथनम् अस्ति –

(A) 'मासम् अधीते' इत्यत्र अत्यन्तसंयोगः गम्यते।

(B) 'दास्या संयच्छते कामुकः' इत्यत्र अशिष्टव्यवहारः गम्यते।

(C) 'क्रोशेन अनुवाकः अधीतः' इत्यत्र कार्य–अनारम्भः गम्यते।

(D) 'शतस्य व्यवहरणाम्, शतस्य पणनम्' इत्यत्र उत्कण्ठापूर्वकस्मरणं गम्यते।

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (C) and (D) केवलम्

(2) (D) and (A) केवलम्

(3) (C) and (B) केवलम्

(4) (A) and (B) केवलम्

1[Option ID=16577]
2[Option ID=16578]
3[Option ID=16579]
4[Option ID=16580]

Sl. No.96
QBID:731046

असिद्धहेत्वाभासस्य भेदद्वयं भवति –

(A) स्वरूपासिद्धः

(B) साधारणासिद्धः

(C) प्रकरणसमासिद्धः

(D) आश्रयासिद्धः

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (C), (D) केवलम्

(3) (A), (D) केवलम्

(4) (B), (D) केवलम्

1[Option ID=16581]
2[Option ID=16582]
3[Option ID=16583]
4[Option ID=16584]

Sl. No.97
QBID:731047

धर्मशास्त्रे धर्मस्रोतांसि अभिमतानि –

(A) श्रुतिः

(B) प्रज्ञा

(C) शीलम्

(D) त्रिरत्नम्

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (D) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3) (C), (D) केवलम्

(4) (A), (C) केवलम्

1[Option ID=16585]
2[Option ID=16586]
3[Option ID=16587]
4[Option ID=16588]

Sl. No.98
QBID:731048

शार्दूलविक्रीडितच्छन्दसि कुत्र यतिर्भवति?

(A) द्वादशवर्णे

(B) दशमवर्णे

(C) सप्तमवर्णे

(D) पञ्चमवर्णे

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (D) केवलम्

(2) (A), (C) केवलम्

(3) (B), (D) केवलम्

(4) (C), (B) केवलम्

1[Option ID=16589]
2[Option ID=16590]
3[Option ID=16591]
4[Option ID=16592]

Sl. No.99
QBID:731049

समुचितं कथनम् अस्ति –

(A) 'प्रकृतं यन्निषिध्यान्यत्साध्यते सा' इति अर्थान्तरन्यासस्य लक्षणम् अस्ति।

(B) 'उपमानाद् यदन्यस्य ..... स एव सः' इत्यस्मिन् वाक्ये वाक्यपूर्त्तेः समुचितः शब्दः 'व्यतिरेकः' इति अस्ति।

(C) 'क्रियायाः प्रतिषेधेऽपि फलव्यक्तिः' इति उत्प्रेक्षालङ्कारस्य लक्षणमस्ति।

(D) पूर्णा-लुप्ता-नामकौ भेदौ उपमालङ्कारस्य स्तः।

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A) and (C) केवलम्

(2) (C) and (D) केवलम्

(3) (B) and (D) केवलम्

(4)

(A) and (B) केवलम्

1[Option ID=16593]
2[Option ID=16594]
3[Option ID=16595]
4[Option ID=16596]

Sl. No.100
QBID:731050

कयोर्लोपे लुप्तोपमा भवति –

(A) उपमेयस्य

(B) असाधारणधर्मस्य

(C) उपमानस्य

(D) वैधर्म्यस्य

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (C), (D) केवलम्

(3) (A), (C) केवलम्

(4) (A), (D) केवलम्

1[Option ID=16597]
2[Option ID=16598]
3[Option ID=16599]
4[Option ID=16600]

Sl. No.101
QBID:731051

ज्यौतिषशास्त्रदृष्ट्या अनयोः त्रिकोणसंज्ञा भवति –

(A) पञ्चम-भावस्य

(B) चतुर्थ-भावस्य

(C) नवम-भावस्य

(D) तृतीय-भावस्य

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (C) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3) (B), (D) केवलम्

(4) (A), (D) केवलम्

1[Option ID=16601]
2[Option ID=16602]
3[Option ID=16603]
4[Option ID=16604]

Sl. No.102
QBID:731052

महाभारतपर्वसु परिगण्यते –

(A) शल्यम्

(B) मौसलम्

(C) शालाक्यम्

(D) सम्राट्

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3) (C), (D) केवलम्

(4) (A), (C) केवलम्

1[Option ID=16605]
2[Option ID=16606]
3[Option ID=16607]
4[Option ID=16608]

Sl. No.103
QBID:731053

राजतरंगिण्याः सम्बन्धः अस्ति –

(A) कश्मीरेण

(B) क्षेमेन्द्रेण

(C) मगधेन

(D) कल्हणेन

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (C) केवलम्

(2) (B), (D) केवलम्

(3) (B), (C) केवलम्

(4) (A), (D) केवलम्

1[Option ID=16609]
2[Option ID=16610]
3[Option ID=16611]
4[Option ID=16612]

Sl. No.104
QBID:731054

चतुष्पादव्यवहारेषु वर्तते –

(A) समाधिपादः

(B) भाषापादः

(C) विभूतिपादः

(D) सिद्धिपादः

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3)

(C), (D) केवलम्

(4) (B), (D) केवलम्

1[Option ID=16613]
2[Option ID=16614]
3[Option ID=16615]
4[Option ID=16616]

Sl. No.105
QBID:731055

सामवेदे के सामविकाराः भवन्ति?

(A) अभ्यासः

(B) स्तोमः

(C) स्तोभः

(D) शस्त्रम्

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3) (A), (C) केवलम्

(4) (C), (D) केवलम्

1[Option ID=16617]
2[Option ID=16618]
3[Option ID=16619]
4[Option ID=16620]

Sl. No.106
QBID:731056

न्याये ईश्वरसिद्धौ किं मानम्?

(A) प्रत्यक्षम्

(B) अनुमानम्

(C) उपमानम्

(D) शब्दः

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (B), (D) केवलम्

(2) (A), (B) केवलम्

(3) (A), (C) केवलम्

(4) (C), (B) केवलम्

1[Option ID=16621]
2[Option ID=16622]
3[Option ID=16623]
4[Option ID=16624]

Sl. No.107
QBID:731057

क्षेपार्थ : वर्तते

(A) 'खट्वाम् आरूढः = खट्वारूढः' इत्यत्र

(B) 'अवतप्तेनकुलस्थितं त एतद्' इत्यत्र

(C) 'उन्मत्तगङ्गम्' इत्यत्र

(D) 'अनुवनमशनिर्गतः' इत्यत्र

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (D) केवलम्

(2) (A), (C) केवलम्

(3) (B), (C) केवलम्

(4) (C), (D) केवलम्

1[Option ID=16625]
2[Option ID=16626]
3[Option ID=16627]
4[Option ID=16628]

Sl. No.108
QBID:731058

सांख्यशास्त्रपरिगणिततत्त्वेषु स्वीक्रियते –

(A) बुद्धि :

(B) संस्कार :

(C) ईश्वरः

(D) शब्दः

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (A), (D) केवलम्

(3) (C), (D) केवलम्

(4) (B), (D) केवलम्

1[Option ID=16629]
2[Option ID=16630]
3[Option ID=16631]
4[Option ID=16632]

Sl. No.109
QBID:731059

विनियोगविधेः सहकारिभूतेषु प्रमाणेषु न परिगण्येते –

(A) अर्थः

(B) प्रकरणम्

(C) पाठः

(D) समाख्या

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (D) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3)

(B), (D) केवलम्

(4) (A), (C) केवलम्

1[Option ID=16633]
2[Option ID=16634]
3[Option ID=16635]
4[Option ID=16636]

Sl. No.110
QBID:731060

मीमांसाशास्त्रानुसारेण वैदिकवाक्यविभागे किं परिगण्यते ?

(A) नामधेयम्

(B) आदेश :

(C) निषेधः

(D) सिद्धान्तः

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3) (A), (D) केवलम्

(4) (A), (C) केवलम्

1[Option ID=16637]
2[Option ID=16638]
3[Option ID=16639]
4[Option ID=16640]

Sl. No.111
QBID:731061

ज्यौतिषशास्त्रानुसारेण सूर्यस्य मित्रग्रहौ :-

(A) शुक्रः

(B) चन्द्रः

(C) शनिः

(D) बृहस्पतिः

समुचितम् उत्तरं चिनुत :

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3) (B), (D) केवलम्

(4) (A), (D) केवलम्

1[Option ID=16641]
2[Option ID=16642]
3[Option ID=16643]
4[Option ID=16644]

Sl. No.112
QBID:731062

ज्यौतिषशास्त्रानुसारेण सिद्धान्तग्रन्थः अस्ति–

(A) सिद्धान्तशिरोमणिः

(B) गर्गसंहिता

(C) जातकालंकारः

(D) ग्रहलाघवम्

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3) (A), (C) केवलम्

(4) (A), (D) केवलम्

1[Option ID=16645]
2[Option ID=16646]
3[Option ID=16647]
4[Option ID=16648]

Sl. No.113
QBID:731063

धर्मलक्षणे अभिमतम्–

(A) दमः

(B) निषेधः

(C) शौचम्

(D) स्तेयम्

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (B), (C) केवलम्

(3) (C), (D) केवलम्

(4) (A), (C) केवलम्

1[Option ID=16649]
2[Option ID=16650]
3[Option ID=16651]
4[Option ID=16652]

Sl. No.114
QBID:731064

हेत्वाभासेषु परिगण्यते –

(A) प्रकरणसमः

(B) उत्कर्षसमः

(C) प्राप्तिसमः

(D) साध्यसमः

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (A), (B) केवलम्

(2) (A), (D) केवलम्

(3)

(C), (D) केवलम्

(4) (B), (C) केवलम्

1[Option ID=16653]
2[Option ID=16654]
3[Option ID=16655]
4[Option ID=16656]

Sl. No.115
QBID:731065

प्रगृह्यसञ्ज्ञाविधायकं सूत्रम् अस्ति–

(A) उदसो मात्

(B) दीधीवेवीटाम्

(C) ईदूतौ च सप्तम्यर्थे

(D) आद्यन्तवदेकस्मिन्

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (B), (D) केवलम्

(2) (C), (B) केवलम्

(3) (A), (C) केवलम्

(4) (A), (D) केवलम्

1[Option ID=16657]
2[Option ID=16658]
3[Option ID=16659]
4[Option ID=16660]

Sl. No.116
QBID:731066

समुचितं मेलनं कुरुत –

List – I	List – II
(A) ग्रहलाघवम्	(I) श्रीपतिः
(B) जातकपद्धतिः	(II) केशवः
(C) सिद्धान्तशेखरः	(III) गणेशदैवज्ञः
(D) जातकपारिजातः	(IV) वैद्यनाथः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(3) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)

(4) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(I)

1[Option ID=16661]
2[Option ID=16662]
3[Option ID=16663]
4[Option ID=16664]

Sl. No.117
QBID:731067

समुचितं मेलनं कुरुत –

List – I	List – II
(A) आख्यातोपयोगे	(I) सम्प्रदानसंज्ञा
(B) अधिशीङ्योगे	(II) कर्मसंज्ञा
(C) धारेरुत्तमर्णः	(III) विभाषासंज्ञा
(D) निषेधविकल्पयोः	(IV) अपादानसंज्ञा

समुचितं विकल्पं चिनुतः

(1) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(II)

(2) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)

(4) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)

1[Option ID=16665]
2[Option ID=16666]
3[Option ID=16667]
4[Option ID=16668]

Sl. No.118
QBID:731068

समुचितं मेलनं कुरुत –

List – I	List – II
(A) वक्रोक्तिसिद्धान्तः	(I) वामनस्य
(B) औचित्यसिद्धान्तः	(II) भामहस्य
(C) रीतिसिद्धान्तः	(III) कुन्तकस्य
(D) अलङ्कारसिद्धान्तः	(IV) क्षेमेन्द्रस्य

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(3) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)

(4) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)

1[Option ID=16669]
2[Option ID=16670]
3[Option ID=16671]
4[Option ID=16672]

Sl. No.119
QBID:731069

समीचीनं मेलनं कुरुत –

List – I	List – II
(A) धर्मरत्नम्	(I) चण्डेश्वरः
(B) स्मृतिचन्द्रिका	(II) जीभूतवाहनः
(C) स्मृतिरत्नाकरः	(III) रघुनन्दनः
(D) स्मृतितत्त्वम्	(IV) देवणभट्टः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)

(2) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)

(3) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(III)

(4) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

1[Option ID=16673]
2[Option ID=16674]
3[Option ID=16675]
4[Option ID=16676]

Sl. No.120

QBID:731070

समुचितं मेलनं कुरुत –

List – I	List – II
(A) अख्यातिः	(I) शून्यवादिमाध्यमिकानाम्
(B) असत्ख्यातिः	(II) क्षणिकवादियोगाचाराणाम्
(C) आत्मख्यातिः	(III) प्राभाकराणाम.
(D) अन्यथाख्यातिः	(IV) नैयायिकानाम्

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(II), (D)-(I)

(3) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)

(4) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

1[Option ID=16677]
2[Option ID=16678]
3[Option ID=16679]
4[Option ID=16680]

Sl. No.121
QBID:731071

समुचितं मेलनं कुरुत –

List – I	List – II
(A) तपः	(I) समाधिः
(B) अपरिग्रहः	(II) चित्तभूमिः
(C) सर्ववृत्तिनिरोधः	(III) नियमः
(D) एकाग्रता	(IV) यमः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(2) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

(4) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)

1[Option ID=16681]
2[Option ID=16682]
3[Option ID=16683]
4[Option ID=16684]

Sl. No.122
QBID:731072

यथोचितं मेलने कुरुत –

List – I	List – II
(A) शून्यवादः	(I) सांख्या
(B) अनेकान्तवादः	(II) अद्वैतवेदान्तिनः
(C) सत्कार्यवादः	(III) जैनाः
(D) मायावादः	(IV) माध्यमिकबौद्धाः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)

(2) (A)-(IV), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(II)

(3) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(IV)

(4) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(I), (D)-(IV)

1[Option ID=16685]
2[Option ID=16686]
3[Option ID=16687]
4[Option ID=16688]

Sl. No.123

QBID:731073

समुचितं मेलनं कुरुत –

List – I	List – II
(A) जगतः सर्ववस्तूनामुत्पत्तिः	(I) प्रतिसर्गः
(B) प्रलयः	(II) विसर्गः
(C) एकस्मात् जीवात् अपरस्य जीवस्य सृष्टिः	(III) वृत्तिः
(D) जीवननिर्वाहार्यं वस्तूनामुपयोगः	(IV) सर्गः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A)-(I), (B)-(III), (C)-(II), (D)-(IV)

(2) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(3) (A)-(IV), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(I)

(4) (A)-(II), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(III)

1[Option ID=16689]
2[Option ID=16690]
3[Option ID=16691]
4[Option ID=16692]

Sl. No.124
QBID:731074

समुचितं मेलनं कुरुत –

List – I	List – II
(A) सूर्यः	(I) ऋग्वेदः
(B) अग्निः	(II) यजुर्वेदः
(C) वायुः	(III) अथर्ववेदः
(D) सोमः	(IV) सामवेदः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)

(2) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(3) (A)-(III), (B)-(IV), (C)-(I), (D)-(II)

(4) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(II)

1[Option ID=16693]
2[Option ID=16694]
3[Option ID=16695]
4[Option ID=16696]

Sl. No.125
QBID:731075

समुचितं मेलनं कुरुत –

List – I	List – II
(A) टुप्टीका	(I) पार्थसारथिमिश्रः
(B) तन्त्ररत्नम्	(II) मण्डनमिश्रः
(C) न्यायकणिका	(III) कुमारिलभट्टः
(D) विधिविवेकः	(IV) वाचस्पतिमिश्रः

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A)-(III), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(II)

(2) (A)-(IV), (B)-(I), (C)-(II), (D)-(III)

(3) (A)-(III), (B)-(II), (C)-(I), (D)-(IV)

(4) (A)-(II), (B)-(III), (C)-(IV), (D)-(I)

1[Option ID=16697]
2[Option ID=16698]
3[Option ID=16699]
4[Option ID=16700]

Sl. No.126
QBID:731076

अधोलिखितं विकृतिपाठं यथाक्रमं योजयत –

(A) शिखा

(B) ध्वजः

(C) रेखा

(D) माला

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (D), (A), (C), (B)

(2) (A), (C), (D), (B)

(3) (D), (C), (B), (A)

(4) (B), (D), (C), (A)

1[Option ID=16701]
2[Option ID=16702]
3[Option ID=16703]
4[Option ID=16704]

Sl. No.127
QBID:731077

अधोलिखितं क्रमेण योजनीयम् –

(A) प्रतिज्ञा

(B) उपनयः

(C) हेतुः

(D) उदाहरणम्

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (A), (B), (D), (C)

(2) (B), (C), (A), (D)

(3) (A), (C), (D), (B)

(4) (A), (D), (C), (B)

1[Option ID=16705]
2[Option ID=16706]
3[Option ID=16707]
4[Option ID=16708]

Sl. No.128
QBID:731078

अधोलिखितं क्रमेण योजनीयम् –

(A) विशयः

(B) विषयः

(C) उत्तरपक्षः

(D) पूर्वपक्षः

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (A), (B), (C), (D)

(2) (C), (B), (D), (A)

(3) (B), (A), (D), (C)

(4) (D), (C), (B), (A)

1[Option ID=16709]
2[Option ID=16710]
3[Option ID=16711]
4[Option ID=16712]

Sl. No.129
QBID:731079

प्रयोगविधेः प्रमाणानि प्राबल्यक्रमेण योजयत –

(A) पाठः

(B) अर्थः

(C) मुख्यम्

(D) स्थानम्

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (B), (A), (D), (C)

(2) (C), (D), (A), (B)

(3) (A), (C), (B), (D)

(4) (D), (B), (C), (A)

1[Option ID=16713]
2[Option ID=16714]
3[Option ID=16715]
4[Option ID=16716]

Sl. No.130
QBID:731080

कालक्रमेण आचार्यान् योजयत –

(A) भामहः

(B) महिमभट्टः

(C) विश्वनाथः

(D) आनन्दवर्धनः

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (B), (C), (A), (B)

(2) (D), (B), (C), (A)

(3) (C), (D), (A), (B)

(4) (A), (B), (D), (C)

1[Option ID=16717]
2[Option ID=16718]
3[Option ID=16719]
4[Option ID=16720]

Sl. No.131
QBID:731081

अधोलिखितं क्रमेण योजनीयम् –

(A) महत्

(B) प्रकृतिः

(C) पञ्चतन्मात्रा

(D) अहङ्कारः

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (D), (A), (B), (C)

(2) (B), (A), (C), (D)

(3) (A), (B), (C), (D)

(4) (B), (A), (D), (C)

1[Option ID=16721]
2[Option ID=16722]
3[Option ID=16723]
4[Option ID=16724]

Sl. No.132
QBID:731082

अधोलिखितं क्रमेण योजनीयम् –

(A) इन्द्रियार्थसन्निकर्षः

(B) निर्विकल्पकम्

(C) इन्द्रियम्

(D) सविकल्पकम्

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (A), (C), (B), (D)

(2) (C), (A), (B), (D)

(3) (C), (B), (D), (A)

(4) (D), (A), (B), (C)

1[Option ID=16725]
2[Option ID=16726]
3[Option ID=16727]
4[Option ID=16728]

Sl. No.133
QBID:731083

कालक्रमेण आचार्यान् योजयत –

(A) कात्यायनः

(B) जयादित्यः

(C) सायणः

(D) जिनेन्द्रबुद्धिः

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (A), (B), (D), (C)

(2) (B), (A), (C), (D)

(3) (D), (C), (A), (B)

(4) (A), (D), (C), (D)

1[Option ID=16729]
2[Option ID=16730]
3[Option ID=16731]
4[Option ID=16732]

Sl. No.134
QBID:731084

माण्डूक्यकारिकायाः प्रकरणानि क्रमेण योजनीयानि –

(A) अद्वैतप्रकरणम्

(B) अलातशान्तिप्रकरणम्

(C) आगमप्रकरणम्

(D) वैतथ्यप्रकरणम्

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) (A), (B), (C), (D)

(2) (C), (D), (A), (B)

(3) (C), (A), (D), (B)

(4) (D), (C), (B), (A)

1[Option ID=16733]
2[Option ID=16734]
3[Option ID=16735]
4[Option ID=16736]

Sl. No.135
QBID:731085

कालक्रमेण अधोलिखितानि योजयत –

(A) नागेशभट्टः

(B) कौटिल्यः

(C) विज्ञानेश्वरः

(D) चिन्नस्वामी

समुचितम् विकल्पं चिनुत –

(1) (A), (C), (D), (B)

(2) (B), (C), (A), (D)

(3) (C), (D), (B), (A)

(4) (D), (C), (B), (A)

1[Option ID=16737]
2[Option ID=16738]
3[Option ID=16739]
4[Option ID=16740]

Sl. No.136
QBID:731086

समुचितं विकल्पं चिनुत –

Statement I : 'यथासंख्यमनुदेशः समानाम्' इति सूत्रम् अयादिसन्धौ प्रवर्तते।

Statement II : 'तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य' इति सूत्रम् अपि अयादिसन्धौ प्रवर्तते।

यथोचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (I) एवं (II) वाक्ये उचिते स्तः।

(2) (I) एवं (II) वाक्ये अनुचिते स्तः।

(3) (I) वाक्यम् उचितं परन्तु (II) अनुचितम्।

(4) (I) वाक्यमनुचितं (II) वाक्यमुचितम्।

1[Option ID=16741]
2[Option ID=16742]
3[Option ID=16743]
4[Option ID=16744]

Sl. No.137
QBID:731087

समुचितं विकल्पं चिनुत –

Statement I : परिसंख्या त्रिदूषणा भवति।

Statement II : धर्मशास्त्रे प्रतिभूः त्रिविधो भवति।

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (I) एवं (II) वाक्ये उचिते स्तः।

(2) (I) एवं (II) वाक्ये अनुचिते स्तः।

(3) (I) वाक्यम् उचितं तथा (II) वाक्यम् अनुचितम्।

(4) (I) वाक्यमनुचितम् (II) वाक्यम् उचितम्।

1[Option ID=16745]
2[Option ID=16746]
3[Option ID=16747]
4[Option ID=16748]

Sl. No.138
QBID:731088

समुचितं विकल्पं चिनुत –

Statement I : सांख्यशास्त्रे त्रीणि प्रमाणानि मतानि।

Statement II : भाट्ट – मीमांसायां षट् प्रमाणानि मतानि।

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (I) एवं (II) वाक्ये उचिते स्तः।

(2) (I) एवं (II) वाक्ये अनुचिते स्तः।

(3) (I) वाक्यमुचितं किन्तु (II) वाक्यमनुचितम्।

(4) (I) वाक्यमनुचितं किन्तु (II) वाक्यमुचितम्।

1[Option ID=16749]
2[Option ID=16750]
3[Option ID=16751]
4[Option ID=16752]

Sl. No.139
QBID:731089

समुचितं विकल्पं चिनुत –

Statement I : व्यञ्जनावृत्तिः नैयायिकैः अभिमता।

Statement II : काव्यशास्त्रे व्यञ्जनावृत्तिः प्रायः सर्वैः अभिमता।

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (I) एवं (II) वाक्ये उचिते स्तः।

(2) (I) एवं (II) वाक्ये अनुचिते स्तः।

(3) (I) वाक्यमुचितं किन्तु (II) वाक्यमनुचितम्।

(4) (I) वाक्यमनुचितं किन्तु (II) वाक्यमुचितम्।

1[Option ID=16753]
2[Option ID=16754]
3[Option ID=16755]
4[Option ID=16756]

Sl. No.140
QBID:731090

समुचितं विकल्पं चिनुत –

Statement I : धर्मशास्त्रे लिखितभुक्तिसाक्षिणश्चेति त्रिविधं मानुषं प्रमाणं स्वीकृतम्।

Statement II : कृषिपाशुपाल्ये वाणिज्या च वार्ता इति स्वीक्रियते।

समुचितम् उत्तरं चिनुत –

(1) (I) एवं (II) वाक्ये उचिते स्तः।

(2) (I) एवं (II) वाक्ये अनुचिते स्तः।

(3) (I) वाक्यमुचितं किन्तु (II) वाक्यमनुचितम्।

(4) (I) वाक्यमनुचितं किन्तु (II) वाक्यमुचितम्।

1[Option ID=16757]
2[Option ID=16758]
3[Option ID=16759]
4[Option ID=16760]

Sl. No.141
QBID:731091

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम् –

केचित्तु 'कर्मणि कुशालः' इति रुढावुदाहरन्ति। तेषामयमभिप्रायः – कुशाँल्लातीति व्युत्पत्तिलभ्यः कुशग्राहिरूपो मुख्योऽर्थः प्रकृतेऽसंभवन् विवेचकत्वादिसाधर्म्यसम्बन्धसम्बन्धिनं दक्षरूपमर्थं बोधयति। तदन्ये न मन्यन्ते। कुशग्राहिरूपार्थस्य व्युत्पत्तिलभ्यत्वेऽपि दक्षरूपस्यैव मुख्यार्थत्वात्। अन्यद्धि शब्दानां व्युत्पत्तिनिमित्तमन्यच्च प्रवृत्तिनिमित्तम्। व्युत्पत्तिलभ्यस्य मुख्यार्थत्वे 'गौः शेते' इत्यत्रापि लक्षणा स्यात्। 'गमेर्डोः' इति गम् धोतोर्डोप्रत्ययेन व्युत्पादितस्य गोशब्दस्य शयनकाले प्रयोगात्।

केचित् किं वाक्यं रूढिलक्षणायाः उदाहरणत्त्वेन प्रस्तुवन्ति?

(1) 'गौःशेते' इति वाक्यम्

(2) 'कर्मणि कुशलः' इति वाक्यम्

(3) 'गमेर्डोः' इति वाक्यम्

(4) पूर्वोक्तानि त्रीणि अपि वाक्यानि

1[Option ID=16761]
2[Option ID=16762]
3[Option ID=16763]
4[Option ID=16764]

Sl. No.142
QBID:731092

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम् –

केचित्तु 'कर्मणि कुशालः' इति रुढावुदाहरन्ति। तेषामयमभिप्रायः – कुशाँल्लातीति व्युत्पत्तिलभ्यः कुशग्राहिरूपो मुख्योऽर्थः प्रकृतेऽसंभवन् विवेचकत्वादिसाधर्म्यसम्बन्धसम्बन्धिनं दक्षरूपमर्थं बोधयति। तदन्ये न मन्यन्ते। कुशग्राहिरूपार्थस्य व्युत्पत्तिलभ्यत्वेऽपि दक्षरूपस्यैव मुख्यार्थत्वात्। अन्यद्धि शब्दानां व्युत्पत्तिनिमित्तमन्यच्च प्रवृत्तिनिमित्तम्। व्युत्पत्तिलभ्यस्य मुख्यार्थत्वे 'गौः शेते' इत्यत्रापि लक्षणा स्यात्। 'गमेर्डोः' इति गम् धोतोर्डोप्रत्ययेन व्युत्पादितस्य गोशब्दस्य शयनकाले प्रयोगात्।

ये 'कर्मणि कुशलः' इति रूढावुदाहरन्ति तेषामनुसारं 'कुशल' शब्दस्य लक्ष्यार्थः अस्ति–

(1) निरुत्तरः

(2) धावनकर्ता

(3)

कुशग्राही

(4) दक्षः

1[Option ID=16765]
2[Option ID=16766]
3[Option ID=16767]
4[Option ID=16768]

Sl. No.143
QBID:731093

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम् –

केचित्तु 'कर्मणि कुशालः' इति रुढावुदाहरन्ति। तेषामयमभिप्रायः – कुशाँल्लातीति व्युत्पत्तिलभ्यः कुशग्राहिरूपो मुख्योऽर्थः प्रकृतेऽसंभवन् विवेचकत्वादिसाधर्म्यसम्बन्धसम्बन्धिनं दक्षरूपमर्थं बोधयति। तदन्ये न मन्यन्ते। कुशग्राहिरूपार्थस्य व्युत्पत्तिलभ्यत्वेऽपि दक्षरूपस्यैव मुख्यार्थत्वात्। अन्यद्धि शब्दानां व्युत्पत्तिनिमित्तमन्यच्च प्रवृत्तिनिमित्तम्। व्युत्पत्तिलभ्यस्य मुख्यार्थत्वे 'गौः शेते' इत्यत्रापि लक्षणा स्यात्। 'गमेर्डोः' इति गम् धोतोर्डोप्रत्ययेन व्युत्पादितस्य गोशब्दस्य शयनकाले प्रयोगात्।

एतासां पङ्क्तीनां वक्ता कुशलशब्दस्य वाच्यार्थं कं वदति?

(1) दक्षः

(2) कुशग्राही

(3) व्युत्पत्तिः

(4) प्रवृत्तिः

1[Option ID=16769]
2[Option ID=16770]
3[Option ID=16771]
4[Option ID=16772]

Sl. No.144
QBID:731094

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम् –

केचित्तु 'कर्मणि कुशालः' इति रुढावुदाहरन्ति। तेषामयमभिप्रायः – कुशाँल्लातीति व्युत्पत्तिलभ्यः कुशग्राहिरूपो मुख्योऽर्थः प्रकृतेऽसंभवन् विवेचकत्वादिसाधर्म्यसम्बन्धसम्बन्धिनं दक्षरूपमर्थं बोधयति। तदन्ये न मन्यन्ते। कुशग्राहिरूपार्थस्य व्युत्पत्तिलभ्यत्वेऽपि दक्षरूपस्यैव मुख्यार्थत्वात्। अन्यद्धि शब्दानां व्युत्पत्तिनिमित्तमन्यच्च प्रवृत्तिनिमित्तम्। व्युत्पत्तिलभ्यस्य मुख्यार्थत्वे 'गौः शेते' इत्यत्रापि लक्षणा स्यात्। 'गमेर्डोः' इति गम् धोतोर्डोप्रत्ययेन व्युत्पादितस्य गोशब्दस्य शयनकाले प्रयोगात्।

'कुशल' शब्दस्य व्युत्पत्तिलभ्यः अर्थ : अस्ति?

(1) कुशानां निर्माता

(2) कुशलवनम्

(3) कुशग्राही

(4) दक्षः

1[Option ID=16773]
2[Option ID=16774]
3[Option ID=16775]
4[Option ID=16776]

Sl. No.145
QBID:731095

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम् –

केचित्तु 'कर्मणि कुशालः' इति रुढावुदाहरन्ति। तेषामयमभिप्रायः – कुशाँल्लातीति व्युत्पत्तिलभ्यः कुशग्राहिरूपो मुख्योऽर्थः प्रकृतेऽसंभवन् विवेचकत्वादिसाधर्म्यसम्बन्धसम्बन्धिनं दक्षरूपमर्थं बोधयति। तदन्ये न मन्यन्ते। कुशग्राहिरूपार्थस्य व्युत्पत्तिलभ्यत्वेऽपि दक्षरूपस्यैव मुख्यार्थत्वात्। अन्यद्धि शब्दानां व्युत्पत्तिनिमित्तमन्यच्च प्रवृत्तिनिमित्तम्। व्युत्पत्तिलभ्यस्य मुख्यार्थत्वे 'गौः शेते' इत्यत्रापि लक्षणा स्यात्। 'गमेर्डोः' इति गम् धोतोर्डोप्रत्ययेन व्युत्पादितस्य गोशब्दस्य शयनकाले प्रयोगात्।

यदि शब्दानां व्युत्पत्तिलभ्यः अर्थः स्वीक्रियते तर्हि कः दोषः स्यात्?

(1) तदा 'गौःशते' इत्यत्रापि लक्षणा स्वीकर्तव्या भविष्यति।

(2) तदा सर्वाणि पदानि लाक्षणिकानि भविष्यन्ति।

(3) तदा व्यञ्जनाशक्तेः कदापि प्रसङ्गः न भविष्यति।

(4) तदा अभिधाशक्तिः लक्षणाशक्तिः समाने शक्ती भविष्यतः।

1[Option ID=16777]
2[Option ID=16778]
3[Option ID=16779]
4[Option ID=16780]

Sl. No.146
QBID:731096

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा उत्तराणि दीयन्ताम् –

प्राशस्त्यनिन्दान्यतरपरं वाक्यमर्थवादः। तस्य च लक्षणया प्रयोजनवदर्थपर्यवसानम्। तथाहि-अर्थवादवाक्यं हि स्वार्थ – प्रतिपादने प्रयोजनाभावाद् विधेयनिषेध्ययोः प्राशस्त्यनिन्दितत्त्वे लक्षणया प्रतिपादयति; स्वार्थमात्रपरत्वे आनर्थक्यप्रसङ्गात्। आम्नायस्य हि क्रियार्थत्वाद् न चेष्टापत्तिः। स्वाध्यायोऽध्येतव्यः इत्यध्ययनविधिना सकलवेदाध्ययनं कर्त्तव्यमिति बोधयता सर्ववेदस्य प्रयोजनवदर्थपर्यवसायित्वं सूचयतोपात्तत्वेनानर्थक्यानुपपत्तेः।

स द्विविधः। विधिशेषो निषेधशेषश्चेति। तत्र ''वायव्यं श्वेतमालभेत भूतिकामः'' इत्यादि विधिशेषस्य वायुर्वै क्षेपिष्ठा देवतेत्यादेर्विधेयार्थप्राशस्त्यबोधकतयार्थवत्वम्। बर्हिषि रजतं न देयमित्यादिनिषेधशेषस्य ''सोऽरोदीत्तद्रुद्रस्य रुद्रत्वमित्यादेर्निषेधस्य निन्दितत्वबोधकतयार्थवत्त्वम्। न च प्राशस्त्यादिबोधस्य निष्प्रयोजनत्वेननार्थवादस्यार्थवत्त्वमिति वाच्यम्; आलस्यादिवशादप्रवर्तमानस्य पुंसः प्रवृत्यादिजनकत्वेन तद्बोधस्यापियोगात्।''

को हि अर्थवादः?

(1) आख्यानपरः

(2) उपहासपरः

(3) विधिपरः

(4) प्राशस्त्यपरः

1[Option ID=16781]
2[Option ID=16782]
3[Option ID=16783]
4[Option ID=16784]

Sl. No.147
QBID:731097

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा उत्तराणि दीयन्ताम् –

प्राशस्त्यनिन्दान्यतरपरं वाक्यमर्थवादः। तस्य च लक्षणया प्रयोजनवदर्थपर्यवसानम्। तथाहि-अर्थवादवाक्यं हि स्वार्थ – प्रतिपादने प्रयोजनाभावाद् विधेयनिषेध्ययोः प्राशस्त्यनिन्दितत्त्वे लक्षणया प्रतिपादयति; स्वार्थमात्रपरत्वे आनर्थक्यप्रसङ्गात्। आम्नायस्य हि क्रियार्थत्वाद् न चेष्टापत्तिः। स्वाध्यायोऽध्येतव्यः इत्यध्ययनविधिना सकलवेदाध्ययनं कर्त्तव्यमिति बोधयता सर्ववेदस्य प्रयोजनवदर्थपर्यवसायित्वं सूचयतोपात्तत्वेनानर्थक्यानुपपत्तेः।

स द्विविधः। विधिशेषो निषेधशेषश्चेति। तत्र ''वायव्यं श्वेतमालभेत भूतिकामः'' इत्यादि विधिशेषस्य वायुर्वै क्षेपिष्ठा देवतेत्यादेर्विधेयार्थप्राशस्त्यबोधकतयार्थवत्वम्। बर्हिषि रजतं न देयमित्यादिनिषेधशेषस्य ''सोऽरोदीत्तद्रुद्रस्य रुद्रत्वमित्यादेर्निषेधस्य निन्दितत्वबोधकतयार्थवत्त्वम्। न च प्राशस्त्यादिबोधस्य निष्प्रयोजनत्वेननार्थवादस्यार्थवत्त्वमिति वाच्यम्; आलस्यादिवशादप्रवर्तमानस्य पुंसः प्रवृत्यादिजनकत्वेन तद्बोधस्यापियोगात्।''

अर्थवादवाक्यानाम् अर्थवत्ता कथं प्रतिपद्यते?

(1) व्यञ्जनया

(2) लक्षणया

(3) अभिधया

(4) तात्पर्यवृत्या

1[Option ID=16785]
2[Option ID=16786]
3[Option ID=16787]
4[Option ID=16788]

Sl. No.148

QBID:731098

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा उत्तराणि दीयन्ताम् –

प्राशस्त्यनिन्दान्यतरपरं वाक्यमर्थवादः। तस्य च लक्षणया प्रयोजनवदर्थपर्यवसानम्। तथाहि–अर्थवादवाक्यं हि स्वार्थ – प्रतिपादने प्रयोजनाभावाद् विधेयनिषेध्ययोः प्राशस्त्यनिन्दितत्त्वे लक्षणया प्रतिपादयति; स्वार्थमात्रपरत्वे आनर्थक्यप्रसङ्गात्। आम्नायस्य हि क्रियार्थत्वाद् न चेष्टापत्तिः। स्वाध्यायोऽध्येतव्यः इत्यध्ययनविधिना सकलवेदाध्ययनं कर्त्तव्यमिति बोधयता सर्ववेदस्य प्रयोजनवदर्थपर्यवसायित्वं सूचयतोपात्तत्वेनानर्थक्यानुपपत्तेः।

स द्विविधः। विधिशेषो निषेधशेषश्चेति। तत्र ''वायव्यं श्वेतमालभेत भूतिकामः'' इत्यादि विधिशेषस्य वायुर्वै क्षेपिष्ठा देवतेत्यादेर्विधेयार्थप्राशस्त्यबोधकतयार्थवत्वम्। बर्हिषि रजतं न देयमित्यादिनिषेधशेषस्य ''सोऽरोदीत्तद्रुद्रस्य रुद्रत्वमित्यादेर्निषेधस्य निन्दितत्वबोधकतयार्थवत्त्वम्। न च प्राशस्त्यादिबोधस्य निष्प्रयोजनत्वेननार्थवादस्यार्थवत्त्वमिति वाच्यम्; आलस्यादिवशादप्रवर्तमानस्य पुंसः प्रवृत्यादिजनकत्वेन तद्बोधस्यापियोगात्।''

अर्थवादानां स्वार्थमात्रपरत्वे कस्य प्रसक्तिः?

(1) प्रशंसारूपस्य

(2) आनर्थक्यस्य

(3) स्वार्थस्य

(4) विधिरूपस्य

1[Option ID=16789]
2[Option ID=16790]
3[Option ID=16791]
4[Option ID=16792]

Sl. No.149
QBID:731099

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा उत्तराणि दीयन्ताम् –

प्राशस्त्यनिन्दान्यतरपरं वाक्यमर्थवादः। तस्य च लक्षणया प्रयोजनवदर्थपर्यवसानम्। तथाहि–अर्थवादवाक्यं हि स्वार्थ – प्रतिपादने प्रयोजनाभावाद् विधेयनिषेध्ययोः प्राशस्त्यनिन्दितत्त्वे लक्षणया प्रतिपादयति; स्वार्थमात्रपरत्वे आनर्थक्यप्रसङ्गात्। आम्नायस्य हि क्रियार्थत्वाद् न चेष्टापत्तिः। स्वाध्यायोऽध्येतव्यः इत्यध्ययनविधिना सकलवेदाध्ययनं कर्त्तव्यमिति बोधयता सर्ववेदस्य प्रयोजनवदर्थपर्यवसायित्वं सूचयतोपात्तत्वेनानर्थक्यानुपपत्तेः।

स द्विविधः। विधिशेषो निषेधशेषश्चेति। तत्र ''वायव्यं श्वेतमालभेत भूतिकामः'' इत्यादि विधिशेषस्य वायुर्वै क्षेपिष्ठा देवतेत्यादेर्विधेयार्थप्राशस्त्यबोधकतयार्थवत्वम्। बर्हिषि रजतं न देयमित्यादिनिषेधशेषस्य ''सोऽरोदीत्तद्रुद्रस्य रुद्रत्वमित्यादेर्निषेधस्य निन्दितत्वबोधकतयार्थवत्त्वम्। न च प्राशस्त्यादिबोधस्य निष्प्रयोजनत्वेननार्थवादस्यार्थवत्त्वमिति वाच्यम्; आलस्यादिवशादप्रवर्तमानस्य पुंसः प्रवृत्यादिजनकत्वेन तद्बोधस्यापियोगात्।''

केन विधिना सकलवेदस्य अर्थवत्ता सूचिता?

(1) अतिदेशविधिता

(2) अध्ययनविधिना

(3) अपूर्वविधिना

(4) परिसंख्याविधिना

1[Option ID=16793]
2[Option ID=16794]
3[Option ID=16795]
4[Option ID=16796]

Sl. No.150
QBID:731100

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा उत्तराणि दीयन्ताम् –

प्राशस्त्यनिन्दान्यतरपरं वाक्यमर्थवादः। तस्य च लक्षणया प्रयोजनवदर्थपर्यवसानम्। तथाहि–अर्थवादवाक्यं हि स्वार्थ – प्रतिपादने प्रयोजनाभावाद् विधेयनिषेध्ययोः प्राशस्त्यनिन्दितत्त्वे लक्षणया प्रतिपादयति; स्वार्थमात्रपरत्वे आनर्थक्यप्रसङ्गात्। आम्नायस्य हि क्रियार्थत्वाद् न चेष्टापत्तिः। स्वाध्यायोऽध्येतव्यः इत्यध्ययनविधिना सकलवेदाध्ययनं कर्त्तव्यमिति बोधयता सर्ववेदस्य प्रयोजनवदर्थपर्यवसायित्वं सूचयतोपात्तत्वेनानर्थक्यानुपपत्तेः।

स द्विविधः। विधिशेषो निषेधशेषश्चेति। तत्र ''वायव्यं श्वेतमालभेत भूतिकामः'' इत्यादि विधिशेषस्य वायुर्वै क्षेपिष्ठा देवतेत्यादेर्विधेयार्थप्राशस्त्यबोधकतयार्थवत्त्वम्। बर्हिषि रजतं न देयमित्यादिनिषेधशेषस्य ''सोऽरोदीत्तद्रुद्रस्य रुद्रत्वमित्यादेर्निषेधस्य निन्दितत्वबोधकतयार्थवत्त्वम्। न च प्राशस्त्यादिबोधस्य निष्प्रयोजनत्वेननार्थवादस्यार्थवत्त्वमिति वाच्यम्; आलस्यादिवशादप्रवर्तमानस्य पुंसः प्रवृत्यादिजनकत्वेन तद्बोधस्यापियोगात्।''

वायव्यं श्वेतमालभेत भूतिकामः वाक्यमिदं कस्य उदाहरणमस्ति?

(1) विधिशेषस्य

(2) निषेधशेषस्य

(3) द्रव्यशेषस्य

(4) यज्ञशेषस्य

1[Option ID=16797]
2[Option ID=16798]
3[Option ID=16799]
4[Option ID=16800]